भाद्रपद कृष्ण - 10 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 48 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 09-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

LEARN • SERVE • ASPIRE

Vishwa Dharma Chetana Manch
Sri Brahmrishi Ashram
Tirupati, India

JAN KALYAN
MAHOTSAV 2023
CHENNAI

* पावन सान्निध्य *

'सिद्धगुरु'

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, तिरुपति

जिनकी एक झलक जीवन की दशा और दिशा बदल सकती है।

कार्यक्रम

• गुरु दर्शन • गुरु वाणी • गुरु आशीर्वाद

दिनांक – शनिवार, 9 सितम्बर 2023

समय – मध्यान्ह 3 बजे से

स्थल : Sri Ramchandra Convention Centre
Thiruvanmiyur, Chennai

पूज्य गुरुदेव के प्रति अनन्त कृतज्ञता सहित

स्वागत अभिनन्दन

प्रकाश प्रमिला आदर्श खीवसरा परिवार
* The Pattern Guru *
# 93444 40444 / 93831 11110

AADARSH GROUPS
Prakash Jain 93444 40444
aadarshcongolmerate@gmail.com

प्रयागराज के शृंगवेरपुर में निषादराज की 56 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करेंगे प्रधानमंत्री मोदी : संजय निषाद

प्रयागराज/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी निषाद पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शुक्रवार को कहा कि प्रयागराज के शृंगवेरपुर में निषादराज गुह की 56 फीट ऊंची प्रतिमा का प्रधानमंत्री अनावरण करेंगे। यहां सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, ''इस प्रतिमा के अलावा, प्रयागराज में निषादराज के किले को पर्यटक स्थल घोषित किया जा चुका है और 20.38 करोड़ रुपये की लागत से निषादराज ऑडोटोरियम बनाया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''इन सभी के उद्घाटन के लिए हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निमंत्रण दिया है। नवंबर या दिसंबर में उनके आने की संभावना है। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। निषाद पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को इस आयोजन के लिए तैयार कर रही है।''

मंत्री ने कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी पहली बार प्रयागराज आए और उन्होंने निषादराज को प्रणाम किया, तब निषाद समुदाय के लोग जान पाए कि उनका कोई राजा भी था।'' निषाद ने बताया कि निषादराज के किले की मिट्टी को पैकेट में भरकर प्रदेश के हर जिले में निषाद समुदाय के लोगों तक पहुंचाने की तैयारी है ताकि निषाद समुदाय के लोग इस मिट्टी को चंदन की तरह लगाएं और अपने पूर्वजों को याद करें। उन्होंने कहा कि ''निषादराज किले पर बने मस्जिद को संवैधानिक तरीके से हटाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है। पहले की सरकारों में साक्ष्य बहुत देर से उपलब्ध कराए जाते थे जिससे निर्णय आने में बहुत समय लगता था। हम न्यायपालिका में भी जाएंगे।''

ओडिशा में वाणिज्यिक वाहनों में ट्रैकिंग उपकरण, पैनिक बटन अनिवार्य

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में तिपहिया वाहनों को छोड़कर सभी वाणिज्यिक वाहनों में वाहन स्थान ट्रैकिंग (वीएलटी) उपकरण को अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) द्वारा लिया गया। उन्होंने कहा कि बसों, टैक्सियों, मालवाहनों और एम्बुलेंस समेत सभी श्रेणियों के नए वाणिज्यिक वाहनों पर एक अक्टूबर से वीएलटी उपकरण और पैनिक बटन अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि पुराने वाहनों में ये उपकरण लगाने के लिए अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। उन्होंने कहा कि अगर नए वाहनों में वीएलटी उपकरण नहीं लगे होंगे तो उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा। समय सीमा के अंदर ये उपकरण नहीं लगाने वाले पुराने वाहनों के मालिक वाहन साइट पर एक जनवरी से कोई लेनदेन नहीं कर पाएंगे। एसटीए ने वीएलटी ऐप के विकास, प्रबंधन और परिचालन के लिए पिछले साल अक्टूबर में बीएसएनएल के साथ एक समझौता किया था।

प्रयागराज में अखिल भारतीय आरपीएफ श्वान प्रतियोगिता शुरू

प्रयागराज(उप्र)/भाषा। प्रयागराज के सूबेदारगंज स्थित रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जोनल प्रशिक्षण केंद्र के परेड मैदान में शुक्रवार को अखिल भारतीय आरपीएफ श्वान प्रतियोगिता शुरू हुई जिसमें 16 जोनल रेलवे के आरपीएफ की डॉग स्क्वायड टीम हिस्सा ले रही हैं जिनमें 60 श्वान शामिल हैं। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा ने किया। विज्ञप्ति के मुताबिक, यह प्रतियोगिता तीन अलग-अलग प्रारूपों में आयोजित की जा रही है जिसमें ट्रैकिंग, विस्फोटक का पता लगाना और नारकोटिक्स (मादक पदार्थों)का पता लगाना शामिल है।

प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर से पांच कुत्ते, पश्चिम रेलवे, मुंबई चर्च गेट से तीन कुत्ते, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर से पांच कुत्ते, दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुबली से छह कुत्ते, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद से पांच कुत्ते, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर से चार कुत्ते, पूर्वी रेलवे, कोलकाता से छह कुत्ते, मध्य रेलवे और मुंबई से तीन कुत्ते शामिल हैं। इनके अलावा, ईस्ट कोस्ट रेलवे, भुवनेश्वर से तीन कुत्ते, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर से एक कुत्ता, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली से दो कुत्ते, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज से दो कुत्ते भी प्रतियोगिता के लिए लाए गए हैं। प्रतियोगिता के लिए लाए गए कुल 60 कुत्तों में से 21 ट्रैकर, 14 नारकोटिक्स डिटेक्टर और 25 विस्फोटक डिटेक्टर हैं। ये कुत्ते लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रेनों और स्टेशन परिसरों में नियमित रूप से तलाशी में मदद करते हैं।

मथुरा में कान्हा के जन्म के बधाई गीत गूंजे, केक काटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर बृहस्पतिवार को रात के 12 बजते ही बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने 'जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी' के जयकारों से भागवत भवन को गुंजायमान कर दिया, तो दूसरी तरफ कई मंदिरों में कान्हा के जन्म के बधाई गीत भी गूंजने लगे। मंदिर परिसर में ढोल-नगाड़े, घंटे-घड़ियाल बज उठे। झांझ-मंजीरे, नाल, मृदंग और शंख की मंगलध्वनि के बीच गोकुल सहित पूरे ब्रज के मंदिरों में 'भए प्रगट गोपाला...' जैसे बधाई गीतों से माहौल भक्तिमय हो गया। कृष्ण बलराम मंदिर (इस्कॉन) में भक्तों ने इस अवसर पर एक बड़ा केक काटकर खुशी का इजहार किया।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के भागवत भवन में महंत नृत्य गोपाल दास सहित श्रीकृष्ण जन्मस्थान के ट्रस्टी अनुराग डालमिया, सचिव कपिल शर्मा व सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने सोने व चांदी से निर्मित 100 किग्रा की कामधेनु गाय की प्रतिमा में हरिद्वार के गंगाजल सहित पंचामृत भरकर उससे कान्हा का अभिषेक किया।

ऐसे अद्भुत दृश्य के दर्शन कर भक्त भाव विभोर हो रहे थे। भागवत भवन में ठाकुर जी की मनोहारी छवि की आभा देखते ही बन रही थी। मध्य रात्रि के पश्चात डेढ़ बजे तक दर्शन का यह क्रम चलता रहा। महंत नृत्य गोपालदास के अस्वस्थ होने के चलते उन्हें भागवत भवन में व्हीलचेयर पर लाया गया था। इसके बाद उन्होंने सोफे पर बैठकर ही ठाकुरजी के आभिषेक की प्रक्रिया पूरी कराई।

वृन्दावन में ठा. बांकेबिहारी मंदिर में जन्माष्टमी की रात वर्ष में केवल एक बार होने वाली मंगला आरती परम्परानुसार 1.55 बजे हुई। मंगला आरती के दर्शन के लिए श्रद्धालु रात 12 बजे से ही मंदिर के बाहर एकत्र हो गए थे। वर्ष में एक बार होने वाली इस आरती में शामिल होने से कोई वंचित नहीं रहना चाहता था।

हालांकि, प्रशासन ने आरती के दौरान सीमित संख्या में ही भक्तों को अंदर जाने दिया, लेकिन इसके बाद मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन करने का क्रम अनवरत चलता रहा।

मंगला आरती के बाद सेवायत गोस्वामी द्वारा ठाकुरजी का चरणामृत भक्तों पर बरसाया गया। तत्पश्चात सुबह साढ़े पांच बजे तक ठाकुरजी के जन्म के दर्शन के लिए मंदिर के पट खुले रहे।

इस बीच, सेवायत परिवारों की महिलाओं द्वारा घर में बनाए गए पाग, धनिया की पंजीरी और मोहन भोग को चांदी की कई थाल में सजाकर ठाकुर जी को अर्पित किया गया जिसे बाद में लोगों में वितरित किया गया।

लोकसभा चुनाव में बंगाल की जनता तृणमूल कांग्रेस को करारा झटका देगी: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में धूपगुड़ी विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि वह भले ही यह सीट नहीं जीत पाई हो लेकिन राज्य के लोग 2024 के लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को करारा झटका देंगे। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जलपाईगुड़ी जिले की धूपगुड़ी विधानसभा सीट भाजपा से छीन ली है।

पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भाजपा भले ही पश्चिम बंगाल में धूपगुड़ी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई हो, लेकिन हम सभी मतदाताओं और कार्यकर्ताओं के आभारी हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि दमनकारी तृणमूल शासन के बावजूद भाजपा अपने वोट प्रतिशत को बनाए रखने में सफल रही।'' मालवीय ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए ''मामूली जीत'' यह संकेत है कि आगे का समय कैसा होने जा रहा है। भाजपा नेता ने कहा, ''पश्चिम बंगाल 2024 में ममता बनर्जी को करारा झटका देगा।'' अधिकारियों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय ने 4,313 मतों से उपचुनाव में जीत दर्ज की। उन्हें 96,961 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भाजपा की उम्मीदवार तापसी रॉय को 92,648 वोट मिले। तापसी 2021 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के एक जवान की विधवा हैं।

अमित मालवीय ने कहा, ''ममता बनर्जी और उनके उत्तराधिकारी दोनों ही इस उपचुनाव में लगे हुए थे लेकिन फिर भी मुश्किल से जीत सके।'' उन्होंने दावा किया कि लोग बनर्जी की राजनीति से तंग आ चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं को अवरुद्ध करती है और भ्रष्टाचार में शामिल है।

जी20 रात्रिभोज के लिए खरगे को आमंत्रित न करना दुर्भाग्यपूर्ण: कांग्रेसी नेताओं ने कहा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जी20 रात्रिभोज के लिए राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को आमंत्रित नहीं किया गया जो लोकतंत्र पर हमला है और सत्ता पक्ष की सोच को भी दर्शाता है। खरगे और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं को शनिवार को होने वाले रात्रिभोज में आमंत्रित नहीं किया गया, लेकिन राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों को निमंत्रण मिला है। निमंत्रित किए जाने वाले मुख्यमंत्रियों में विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में आने वाले गणमान्य अतिथियों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगी। खरगे को रात्रिभोज में आमंत्रित नहीं किए जाने पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में कहा कि कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार देश की 60 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले विपक्ष के नेता को महत्व नहीं देती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि चूंकि विपक्ष लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए विपक्ष के नेता को आमंत्रित न करना लोकतंत्र पर हमला है। नेता प्रतिपक्ष का दर्जा कैबिनेट मंत्री का होता है और एक संवैधानिक पद रखता है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों और सभी मुख्यमंत्रियों को रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया है।

बघेल ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता को आमंत्रित नहीं किया गया है। सभी को अलग-अलग विचारों का सम्मान करना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की अहम भूमिका होती है और ऐसे में अगर उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है, तो यह लोकतंत्र पर हमला है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह रात्रिभोज में शामिल होने जा रहे हैं, उन्होंने कहा, कोई कैसे जा पाएगा क्योंकि यह 'नो-फ्लाई' ज़ोन है।

उत्तरप्रदेश उपचुनाव

घोसी सीट पर सपा का कब्जा बरकरार, भाजपा प्रत्याशी को 42,759 मतों से दी मात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के शुक्रवार को आए नतीजे के मुताबिक समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को 42,759 मतों के अंतर से पराजित कर दिया है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, सिंह को कुल 1,24,427 मत मिले हैं जबकि चौहान के पक्ष में 81,668 मतदाताओं ने मतदान किया। मतगणना के दौरान कुल 33 दौर की गिनती हुई। विशेष परिस्थिति के लिए आरक्षित 34वें चक्र की स्थिति नहीं आयी।

घोसी में कुल 10 उम्मीदवारों में पीस पार्टी के सनाउल्लाह को 2570 मत, जन अधिकार पार्टी के अफरोज आलम को 2100, निर्दलीय विनय कुमार को 1406, प्रवेन्द्र प्रताप सिंह को 1223, रमेश पांडेय को 839, जनता क्रांति पार्टी (राष्ट्रवादी) के मुन्नी लाल चौहान को 606, जन राज्य पार्टी के सुनील चौहान को 541 और आम जनता पार्टी (सोशलिस्ट) के राजकुमार चौहान को 466 मत मिले। इसके अलावा घोसी के 1725 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में वोटों की गिनती शुक्रवार सुबह शुरू होकर देर शाम तक चली, जिसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के बीच पहला बड़ा चुनावी मुकाबला माना जा रहा है। सपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को घोसी में पार्टी उम्मीदवार की भारी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ''जीत का हमारा नया फार्मूला सफल साबित हुआ है। यह भाजपा के अहंकार और घमंड को चकनाचूर करने वाला नतीजा है।''

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए जीत का श्रेय विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया' और अपने फार्मूले 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को दिया। उन्होंने कहा, '' 'इंडिया'- टीम है और 'पीडीए' रणनीति : जीत का हमारा ये नया फार्मूला सफल साबित हुआ है।'' यादव ने कहा कि ''यूपी एक बार फिर से देश में सत्ता परिवर्तन का अगुवा बनेगा। भारत ने 'इंडिया' को जिताने की शुरुआत कर दी है,ये देश के भविष्य की जीत है।''

'इंडिया' गठबंधन से परेशान हैं प्रधानमंत्री मोदी, देश का नाम बदलना चाहते हैं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रसेल्स/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'इंडिया' और 'भारत' से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के नाम से परेशान हैं और इस वजह से वह देश का नाम बदलना चाहते हैं।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह संविधान में उल्लेखित 'इंडिया जो भारत है' से पूरी तरह सहमत हैं, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के नाम के कारण सत्तापक्ष में घबराहट से ध्यान भटकाने के लिए देश के नाम से जुड़ा विवाद खड़ा कर दिया गया। राहुल गांधी ने जी20 रात्रिभोज में राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार देश की 60 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले विपक्ष के नेता को महत्व नहीं देती। उन्होंने यह दावा भी किया कि भारत में महात्मा गांधी के दृष्टिकोण और नाथूराम गोडसे के दृष्टिकोण के बीच की लड़ाई है तथा विपक्षी दल यह सुनिश्चित करेंगे कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और आजादी पर हमला बंद हो। राहुल गांधी इन दिनों यूरोप के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने 'इंडिया' और 'भारत' से जुड़े विवाद पर कहा, ''मैं संविधान में उल्लेखित 'इंडिया, जो भारत है' से पूरी तरह सहमत हूं। मुझे लगता है कि ऐसा (नाम बदलने की बात) घबराहट में किया गया है और ध्यान भटकाने का प्रयास किया गया। हमने अपने गठबंधन को 'इंडिया' नाम दिया है... इससे प्रधानमंत्री परेशान हो गए कि वह देश का नाम बदलना चाहते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''जब हम अडाणी या मित्रवादी पूंजीपतियों का नाम लेते हैं तो प्रधानमंत्री ध्यान भटकाने की तरकीब लेकर आ जाते हैं। जब मैंने अडाणी मामले पर संवाददाता सम्मेलन किया तो ध्यान भटकाने का पूरा प्रकरण हुआ।''

'सनातन धर्म' को लेकर उदयनिधि की टिप्पणी पर खरगे ने कहा- राजनीति और धर्म अलग-अलग चीजें हैं, इन्हें मिलाने की जरूरत नहीं

रायपुर/भाषा। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की कथित 'सनातन धर्म' विरोधी टिप्पणी को लेकर देश भर में मचे घमासान के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राजनीति और धर्म अलग-अलग चीजें हैं और इन्हें मिलाने की कोई जरूरत नहीं है।

खरगे राज्य के राजनांदगांव जिले के ठेकवा गांव में छत्तीसगढ़ सरकार के 'भरोसे का सम्मेलन' कार्यक्रम में भाग लेने के बाद बात कर रहे थे। स्टालिन की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा, ''मैं यहां किसी के धर्म के बारे में कहने के लिए नहीं आया हूं। मैं गरीबों के लिए बने कार्यक्रम में हिस्सा लेने आया हूं। धर्म और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं और इन्हें मिलाने की कोई जरूरत नहीं है। मैं इस पर बहस नहीं करना चाहता।'' छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा था कि खरगे को छत्तीसगढ़ यात्रा के दौरान बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस पार्टी 'सनातन धर्म' पर उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी का समर्थन करती है या नहीं।

बलिया में नाबालिग किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले के बांसडीह रोड थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी को कथित रूप से अगवा कर दिल्ली ले जाने और करीब बीस दिनों तक बलात्कार करने के मामले में एक आरोपी युवक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 13 वर्षीया किशोरी को गत 17 अगस्त को मझौली गांव के निवासी कुंदन कुमार पासवान (21) ने अगवा कर लिया था। इस मामले में किशोरी की मां की तहरीर पर कुंदन के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 363 व 366 (अपहरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राज कपूर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने बृहस्पतिवार (सात सितंबर) को किशोरी को थाना क्षेत्र के एक गांव से मुक्त करा लिया। उन्होंने बताया कि किशोरी ने पुलिस को बयान दिया है कि कुंदन उसे अगवा कर दिल्ली ले गया और करीब बीस दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलते नजर आए महेंद्र सिंह धोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यू जर्सी/भाषा। भारत के विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं जहां उन्हें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलते हुए देखा गया। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने भारत के इस विकेटकीपर बल्लेबाज की ट्रम्प नेशनल गोल्फ क्लब बेडमिंस्टर में गोल्फ खेलने के लिए मेजबानी की। इन दोनों की एक तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है।

यह पता चला है कि दुबई के उद्यमी हितेश सांघवी धोनी को रूडी गिउलिआनी 'फंड-रेजर' कार्यक्रम में लेकर गये थे। इसका मकसद गिउलिआनी के वकील को कानूनी सेवा के लिए भुगतान के लिए रकम जुटाना था। जॉर्जिया में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव परिणामों में हेराफेरी की कथित कोशिश के लिए गिउलिआनी को ट्रम्प के साथ दोषी ठहराया गया था। धोनी ग्रुप पिक्चर में लंबे बालों में नजर आ रहे हैं जैसा कि वह अपने क्रिकेट करियर के शुरुआती दिनों में दिखते थे। ट्रंप ने लाल रंग की मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) कैप पहन रखी है।

धोनी को इससे एक दिन पहले न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच क्वार्टर फाइनल मैच का लुत्फ उठाते देखा गया था। धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में अपना पांचवां खिताब जीता था। इस 42 वर्षीय खिलाड़ी ने जून में अपने बाएं घुटने का ऑपरेशन करवाया था।

उपचुनावों में 'इंडिया' की जीत हुई, नतीजे विपक्षी गठबंधन के लिए शुभ संकेत : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के घोसी समेत विभिन्न राज्यों के सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के नतीजे विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया)' के लिए शुभ संकेत हैं तथा यह साबित हो गया है कि जनता ने इस गठबंधन को स्वीकार किया है।

उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के शुक्रवार को आए नतीजे के मुताबिक, समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को 42,759 मतों के अंतर से पराजित कर दिया है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की धूपगुड़ी विधानसभा सीट पर तृणमूल कांग्रेस, केरल के पुतुप्पली विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और झारखंड के डुमरी विधानसभा क्षेत्र में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जीत हासिल की है। भाजपा ने त्रिपुरा की दो और उत्तराखंड की एक विधानसभा सीट के उपचुनावों में जीत हासिल की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज की खबर जी20 नेताओं का आगमन नहीं है। सबसे बड़ी खबर आज घोषित सात विधानसभा सीट के उपचुनावों के परिणाम हैं। स्पष्ट रूप से विजेता 'इंडिया' है। 'इंडिया' ने भाजपा को 4:3 से हराया। भाजपा ने त्रिपुरा में दो और उत्तराखंड में एकमात्र सीट पर जीत हासिल की। केरल, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा हार गई। इनमें से उत्तर प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्तारूढ़ पार्टी है।'' उनका कहना है, ''भाजपा और उसका धनबल अपराजेय नहीं है। 'इंडिया' गठबंधन ने दिखा दिया है कि भाजपा को उसके गढ़ में भी हराया जा सकता है। आज के नतीजे 'इंडिया' गठबंधन की सफलता का शुभ संकेत हैं।'' राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''घोसी में सपा प्रत्याशी को मिली भारी जीत केवल सपा की जीत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के खिलाफ 'इंडिया' गठबंधन की जीत है।''

भाद्रपद कृष्ण - 10 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 48 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 09-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा और जद(एस) के बीच लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन से चिंतित नहीं

6 क्या टुकड़ों में विभाजित होगा पाकिस्तान?

7 'भारत के दामाद' के रूप में यह खास है : ऋषि सुनक

फर्स्ट टेक

भारत और पाकिस्तान के मैच के लिए सुरक्षित रखा गया दिन

कोलंबो/भाषा। मौसम के मौजूदा मिजाज को देखते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार 10 सितंबर को यहां होने वाले एशिया कप सुपर चार मैच के लिए सुरक्षित दिन (रिजर्व डे) रखने का फैसला किया है। हालांकि श्रीलंका में होने वाले सुपर चार के अन्य मैचों के लिए सुरक्षित दिन नहीं रखा गया है। इसका मतलब है कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच इस मैच में बारिश खलल डालती है तो अगले दिन खेल वहीं से शुरू होगा जहां पर उसे रोका गया था। एसीसी ने बयान में कहा,'' भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 10 सितंबर 2023 को होने वाले एशिया कप सुपर चार मैच के लिए एक सुरक्षित दिन रखा गया है।''

'लाडली बहना' भारत के इतिहास की सबसे बड़ी योजना है : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश की 'मुख्यमंत्री लाडली बहना' योजना भारत के इतिहास की सबसे बड़ी योजना है। चौहान ने मुरैना जिले के कैलारस कस्बे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'जन आशीर्वाद यात्रा' को संबोधित करते हुए कहा, ''लाडली बहना, ये साधारण योजना नहीं है, ये भारत के इतिहास की सबसे बड़ी योजना है। बहनों के सम्मान के आगे (इस योजना के तहत सालाना खर्च किए जा रहे) 15,000 करोड़ रुपये कुछ नहीं है।'' 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना' योजना के तहत प्रदेश की 1.25 करोड़ महिलाओं को इस साल जून से प्रतिमाह 1,000 रुपये दिए जा रहे हैं और चौहान ने 27 अगस्त को इसे बढ़ाकर अक्टूबर से 1,250 रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की है।

प्रज्ञानानंदा ने लगातार पांच जीत से बढ़त बनायी

कोलकाता/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 'टाटा स्टील चेस इंडिया ब्लिट्ज 2023' के पहले दिन लगातार पांच जीत से 6.5 अंक जुटाकर बढ़त हासिल की। प्रज्ञानानंदा गुरुवार को 'टाटा स्टील चेस इंडिया रैपिड 2023'में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने शुक्रवार को पहले पांच राउंड में लगातार जीत हासिल की जिसके बाद एलेक्सजैंडन ग्रिसचुक ने ड्रा खेलकर उनकी जीत की लय तोड़ दी। रूस के खिलाड़ी ने प्रज्ञानानंदा को छठे दौर में ड्रा खेला जिसके बाद इस भारतीय को सातवें और आठवें दौर में लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने दिन के अंतिम राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगेसी को पराजित किया।

मानव-केंद्रित, समावेशी विकास का नया मार्ग प्रशस्त करेगा जी20 शिखर सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी20 शिखर सम्मेलन शुरू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि यह सम्मेलन मानव केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वंचितों, समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों की सेवा करने के उनके मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रगति के मानव केंद्रित तरीके पर भारत के जोर को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''हम सतत भविष्य के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), हरित विकास समझौते की प्रगति में तेजी लाना चाहते हैं और 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थानों को मजबूत करना चाहते हैं। हम तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य के क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देते हैं। हम लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और विश्व शांति सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करेंगे।''

प्रधानमंत्री ने 'एक्स (पूर्व में ट्विटर)' पर किये गए पोस्ट की एक शृंखला में कहा, ''भारत को 9-10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में 18वें जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की खुशी है। यह पहला जी20 शिखर सम्मेलन है, जिसकी मेजबानी भारत द्वारा की जा रही है। मैं अगले दो दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश के सांस्कृतिक लोकाचार में निहित, भारत की जी20 अध्यक्षता का विषय 'वसुधैव कुटुम्बकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' हमारे वैश्विक दृष्टिकोण के साथ गहराई से मेल खाता है कि पूरा विश्व एक परिवार है।'' उन्होंने कहा, ''भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख रही है। हमने सक्रिय रूप से ग्लोबल साउथ की विकास संबंधी चिंताओं को उठाया।''

मोदी ने कहा, ''भारत प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए मानव-केंद्रित तरीके पर भी बहुत जोर देता है। वंचितों, कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के गांधी जी के मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है।''

बिडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम यहां अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक की जिसमें दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करने करने के संबंध में तमाम मुद्दों पर चर्चा की। बिडेन आज शाम यहां पहुंचे। पालम वायुसैनिक हवाई अड्डे पर केन्द्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने उनकी अगवानी की। बिडेन इसके बाद 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री निवास पहुंचे जहां मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पहले दोनों नेताओं के बीच एकांत में अनौपचारिक रूप से बात हुई। इस के बाद प्रतिनिधि मंडल स्तर की बातचीत हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि उनकी चर्चाओं में कई तरह के मुद्दे शामिल थे और इससे भारत और अमेरिका के बीच संबंध और गहरे होंगे।

बेंगलूरु-चेन्नई एक्सप्रेस हाईवे इस साल के अंत तक चालू होगा

मात्र दो घंटे में बेंगलूरु से चेन्नई पहुंचा जा सकेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बेंगलूरु-चेन्नई एक्सप्रेस राजमार्ग इस साल के अंत या जनवरी 2024 तक शुरू हो जाएगा और यह दोनों महानगरों के बीच यात्रा समय को घटाकर सिर्फ दो घंटे करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। गडकरी ने कहा कि ऐसे में जब देशभर में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है, चेन्नई जल्द ही एक एक्सप्रेस राजमार्ग परियोजना के जरिये दिल्ली से जुड़ जाएगा।

अशोक लीलैंड की ओर से आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुये केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, 'मैंने आज चेन्नई में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बेंगलूरु-चेन्नई एक्सप्रेस हाईवे इस साल के अंत या जनवरी 2024 तक शुरू हो जाएगा। इसलिए, आप इस क्षेत्र में लक्जरी बसें और स्लीपर कोच शुरू कर सकते हैं।' गडकरी ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक बसों की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'हम अच्छी सड़कें बना रहे हैं। हम राजमार्ग परियोजना के माध्यम से दिल्ली को चेन्नई से जोड़ रहे हैं।'धारवाड़ में उच्च न्यायालय की पीठ में न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने आज याचिका पर सुनवाई की।

कृष्ण जन्माष्टमी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार रात नई दिल्ली में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इस्कॉन मंदिर का दौरा किया एवं पूजा अर्चना की।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर

सर्वेक्षण के लिए एएसआई को आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय मिला

वाराणसी(उप्र)/भाषा। वाराणसी की एक अदालत ने शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण पूरा करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय दे दिया। सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने बताया कि जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की आपत्ति को खारिज कर दिया और ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण कार्य को पूरा करने के लिए एएसआई को आठ सप्ताह का और समय प्रदान किया।

भारत में धर्मनिरपेक्षता पर खतरा मंडरा रहा है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संविधान के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि देश की धर्मनिरपेक्षता एवं एकता खतरे में है।

मुख्यमंत्री ने यहां केरल मीडिया अकादमी में एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारतीय संविधान उनका 'वेद' है और उन्होंने संसद को झुककर नमन किया था। लेकिन अब वह संविधान के विरुद्ध जा रहे हैं। लोगों को यह अहसास करना चाहिए और उसका विरोध करना चाहिए।''

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने आरोप लगाया, ''भारत की एकता, विविधता एवं धर्मनिरपेक्षता पर खतरा है तथा सामाजिक न्याय को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है। उसके माध्यम से वे (भाजपा वाले) भारत को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। हम इसका जबर्दस्त विरोध करते हैं।''

उन्होंने कहा कि कुछ लोग 'द्रविड़' शब्द के उल्लेख मात्र से 'चिढ़' जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु और केरल के लोग एक ही द्रविड़ परिवार से हैं। उन्होंने इन दोनों राज्यों के लोगों से भारत की रक्षा के लिए 'डबल बैरल वाली' बंदूक की तरह काम करने की अपील की।

रिलायंस, एनवीडिया भारत में एआई आधारित सुपरकंप्यूटर बनाएंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया के साथ मिलकर भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित सुपरकंप्यूटर बनाने की शुक्रवार को घोषणा की।

दोनों कंपनियों ने एक बयान में कहा, कंपनियां एआई ढांचा बनाने के लिए मिलकर काम करेंगी जो आज भारत के सबसे तेज सुपरकंप्यूटर से भी अधिक शक्तिशाली है।

इस घोषणा से कुछ दिन पहले एनवीडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी।

एनवीडिया ने वर्ष 2004 में भारत में परिचालन शुरू किया था और यहां कंपनी के चार इंजीनियरिंग विकास केंद्र गुरुग्राम, हैदराबाद, पुणे और बेंगलुरु में हैं। इन केंद्रों में लगभग 3,800 कर्मी कार्यरत हैं।

बयान में एनवीडिया ने कहा, रिलायंस के साथ समझौता भारत का अपना बड़ा भाषा मॉडल विकसित करेगा जो देश की विविध भाषाओं पर प्रशिक्षित होगा और यहां जेनेरिक एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार किया जाएगा।

एनवीडिया सबसे उन्नत जीएच200 ग्रेस हॉपर सुपरचिप और क्लाउड में एक एआई सुपरकंप्यूटिंग सेवा डीजीएक्स क्लाउड तक पहुंच प्रदान करेगी। जीएच200 कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर में एक मौलिक बदलाव का प्रतीक है जो असाधारण प्रदर्शन और बड़ी मेमोरी बैंडविड्थ प्रदान करता है।

बयान में रिलायंस ने कहा, एनवीडिया से लैस एआई ढांचा रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो इन्फोकॉम के लिए एआई में नया विस्तार है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद व वैश्विक संस्थाओं में सुधार में देरी सही नहीं : गुटेरेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तथा अन्य बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को मौजूदा समय में पूरी तरह अप्रासंगिक करार देते हुए इनमें सुधारों की जोरदार वकालत की है और कहा है कि अब इसमें देरी नहीं की जानी चाहिए।

गुटेरेस ने जी-20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उम्मीद जतायी कि इस शिखर सम्मेलन में भारत की ग्लोबल साउथ को लेकर की गई प्रतिबद्धताओं और समग्र विकास के लक्ष्य को पूरा करने में सफलता मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सदस्य देशों को मौजूदा चुनौतियों के समाधान से मुंह नहीं चुराना चाहिए और एकजुट होकर इनका समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा, ये कार्य कोई अकेला देश , क्षेत्र या समूह नहीं कर सकता। हम सबको एक परिवार की तरह मिलकर पृथ्वी को बचाने तथा हमारे भविष्य की रक्षा के लिए मिलकर कदम उठाने होंगे । उन्होंने कहा कि विकसित देशों को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में सुधार के लिए निश्चित समय सीमा में किये जाने चाहिए और इसके लिए बिलकुल भी समय बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुध्रुवीय विश्व में सुधारों का महत्व बढता जा रहा है। केवल बहुध्रुवीय होने से ही शांति अपने आप स्थापित नहीं होगी। बहुपक्षीय संस्थानों में भी सुधारों की उतनी ही जरूरत है।

बहुत महत्वपूर्ण साझेदार है भारत

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने शुक्रवार को भारत को बहुपक्षीय प्रणाली में 'बहुत महत्वपूर्ण' साझेदार की संज्ञा दी, लेकिन कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सदस्यता पर फैसला संस्था के सदस्यों को करना है, उन्हें नहीं।

जी20 शिखर सम्मेलन से पहले यहां संवाददाता सम्मेलन में यह पूछे जाने पर कि क्या यह भारत के यूएनएससी का सदस्य बनने का समय है, इस प्रश्न के उत्तर में गुतारेस ने कहा, ''यूएनएससी में कौन शामिल होगा, इसका निर्णय मुझे नहीं करना है, सदस्यों को करना है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन जाहिर है कि भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और बहुपक्षीय प्रणाली में बहुत महत्वपूर्ण साझेदार है।''

भारत में वांछित आतंकवादी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मारा गया

जम्मू/भाषा। भारत में वांछित एक आतंकवादी की शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक मस्जिद के अंदर अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा रियाज अहमद उर्फ अबू कासिम एक जनवरी को डांगरी में हुए आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक था।

राजौरी जिले के डांगरी गांव में आतंकवादियों के हमले और अंधाधुंध गोलीबारी में सात लोगों की मौत हो गई थी और 13 अन्य घायल हो गए थे। आतंकवादी वहां आईईडी भी लगा गये थे, जो अगली सुबह फटा था। अधिकारियों ने कहा कि मूल रूप से जम्मू क्षेत्र का रहने वाला अहमद 1999 में सीमा पार चला गया था। अधिकारियों के अनुसार उसे पुंछ और राजौरी के सीमावर्ती जिलों में आतंकवाद को दोबारा जिंदा करने वालों में से एक माना जाता था।

चीन में आईफोन पर प्रतिबंध की रिपोर्ट के बाद एप्पल के शेयरों में गिरावट

वाशिंगटन/वार्ता। चीन में सरकारी कर्मचारियों पर आईफोन का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाए जाने की रिपोर्ट के बाद अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई है। पिछले दो दिनों में कंपनी के शेयर बाजार मूल्यांकन में 06 फीसदी से अधिक या लगभग 200 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

चीन प्रौद्योगिकी दिग्गज का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसका पिछले साल के कुल राजस्व में 18 प्रतिशत हिस्सा था। चीन में एप्पल के अधिकांश उत्पाद उसके सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन द्वारा निर्मित किए जाते हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) ने बुधवार को बताया कि चीन ने केंद्रीय सरकारी एजेंसी के अधिकारियों को कार्यालय में आईफोन नहीं लाने या काम के लिए उनका इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया है। अगले दिन ब्लूमबर्ग न्यूज ने बताया कि प्रतिबंध राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों और सरकार समर्थित एजेंसियों के श्रमिकों पर भी लगाया जा सकता है।

रूस अपने कब्जे वाले यूक्रेनी इलाकों में करा रहा चुनाव

ताल्लिन (एस्टोनिया)/एपी। रूस अपने कब्जे वाले यूक्रेनी इलाकों में चुनाव करा रहा है। इसके लिए मतदान शुक्रवार को शुरू हुआ तथा यह रविवार तक जारी रहेगा। इन इलाकों पर अभी भी रूस का पूरी तरह से नियंत्रण नहीं है। रूस के कब्जे वाले इन क्षेत्रों में डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिजिया शामिल हैं। इन क्षेत्रों में रूस द्वारा स्थापित विधान इकाइयों के लिए मतदान की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई। यूक्रेन तथा पश्चिमी देशों ने रूस के इस कदम की निंदा की है। मानवाधिकार निकाय 'काउंसिल ऑफ यूरोप' ने इस सप्ताह कहा था, यह अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है, जिसकी रूस लगातार अनदेखी कर रहा है।

यूक्रेन की संसद में एक बयान में कहा गया कि यह मतदान यूक्रेन के लोगों के लिए खतरा पैदा करता है। यूक्रेनी सांसदों ने अन्य देशों से मतदान के परिणामों को मान्यता न देने का आग्रह किया।

09-09-2023 सूर्यास्त 6:14 बजे | 10-09-2023 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE 66,598.91 (+333.34) | NSE 19,819.95 (+92.90)

सोना 6,200 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 80,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बन गए महान

बन गए महाकवि आज कई,
रचनाएं सुना-सुना पर की।
बन गए महायोद्धा कुछ तो,
कसमें खा वीरों के सर की।
बन गए महाज्ञानी जैसे,
ठोकर खाकर के दर-दर की।
बन गए महानायक वे भी,
जिनको सुधबुध ना थी घर की।।

शिक्षा की समाज के सभी वर्गों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका : कल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि शिक्षा जीवन को उजाले की ओर ले जाने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की समाज के सभी वर्गों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका है। निरक्षरता उन्मूलन की दिशा में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के जरिए प्रदेश में नवाचारों के साथ बेहतर कार्य हो रहा है।

शिक्षा मंत्री डॉ. कल्ला शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में राइट टू एजुकेशन मील का पत्थर साबित हुआ है। नई पीढ़ी के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल चलो अभियान, डिजीटल शिक्षा आदि नवाचार किए जा रहे हैं। उन्होंने शत- प्रतिशत साक्षरता की दिशा में एनजीओ, सामाजिक समूहों, पेंशनर्स आदि को निरक्षरता उन्मूलन के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। डॉ. कल्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2030 तक राजस्थान को शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में अग्रणी राज्य बनाने के लिए राजस्थान मिशन 2030 प्रारम्भ किया है, जिसके तहत विभिन्न हितधारकों के सुझाव लेकर विजन 2030 दस्तावेज तैयार किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत साक्षरता सम्बन्धी सुझावों को भी सम्मिलित किया जाएगा। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि राज्य सरकार डिजीटल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। स्कूल शिक्षा के विद्यार्थियों को डिजीटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अध्ययन सामग्री सुलभ उपलब्ध करवायी जा रही हैं। वहीं नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम को भी वीडियो के माध्यम से ई-साक्षरता एप पर उपलब्ध करवाया गया है। इस अवसर पर साक्षर राजस्थान एवं ई-साक्षरता यू-ट्यूब चैनल की लॉंचिंग एवं पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान नवसाक्षरों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नवसाक्षरों ने अपने साक्षर बनने की कहानी की अभिव्यक्ति भी दी। कार्यक्रम में साक्षरता एवं सतत शिक्षा निदेशालय एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी सहित नवसाक्षर एवं स्वयं सेवी शिक्षक उपस्थित रहे।

ट्रक-बोलेरो की भिड़ंत में 7 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चुरू। राजस्थान के चूरू जिले के साड़ा सर गांव के पास भीषण सड़क हादसा हो गया है। सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 18 लोग घायल हो गए जिनमें आठ लोग गंभीर होने से उनको अन्य अस्पताल में रेफर किया गया है।

यह सड़क हादसा ट्रक व बोलेरो की आमने-सामने की भिडंत से हुआ। मृतक बोलेरो में सवार होकर पल्लू केसरो की पुजा व दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। मृतकों में तीन महिला ,एक पुरुष व एक बच्चा है जो मौके पर ही दम तोड दिया था।पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में कर लिया है तथा घायलों को राजकीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवा दिया गया है। जांच शुरू कर दी है।राजस्थान के चूरू जिले के भानीपुरा थानाक्षेत्र में एक ट्रक और एक चार पहिया वाहन की आमने सामने की भिड़ंत में तीन महिलाओं एवं एक बच्ची समेत पांच व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि 12 से अधिक अन्य घायल हो गये। यह जानकारी पुलिस ने दी। थानाधिकारी गौरव खिडिया ने बताया कि चार पहिया वाहन में सवार परिवार के लोग हनुमानगढ़ के एक धार्मिक स्थान से वापस लौट रहे थे।

उन्होंने बताया कि साडासर और सावर के बीच सरदारशहर की तरफ से आ रहे एक ट्रक से उक्त चार पहिया वाहन की भिडंत हो गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में चार पहिया वाहन में सवार तीन महिलाओं एवं एक बच्ची समेत पांच व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि 12 से अधिक अन्य लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि घायलों में कई बच्चे भी शामिल हैं।

प्रियंका गांधी 10 को टोंक के निवाई में जनसभा को संबोधित करेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा 10 सितंबर को राजस्थान के टोंक जिले के निवाई में एक जनसभा को संबोधित करेंगी। पार्टी के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रियंका गांधी राज्य सरकार की 'इंदिरा रसोई-ग्रामीण' योजना की शुरुआत करेंगी और 10 सितंबर को टोंक जिले में निवाई के झिलाई गांव में एक जनसभा को संबोधित करेंगी।

उन्होंने कहा कि इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और अन्य नेता मौजूद रहेंगे। वर्तमान में 'इंदिरा रसोई' योजना शहरों में चल रही है जहां आठ रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब यह योजना गांवों में भी शुरू की जाएगी।

राजस्थान सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोई भी भूखा नहीं सोए के संकल्प के साथ 20 अगस्त 2020 से राज्य के सभी 213 नगरीय निकायों में 358 रसोईघरों के माध्यम से 'इंदिरा रसोई' योजना की शुरुआत की। वित्तवर्ष 2022-23 के बजट में रसोईघरों की संख्या 358 से बढ़ाकर 1000 करने की घोषणा की गई। बजट भाषण के मुताबिक योजना पर सालाना 250 करोड़ रुपये खर्च कर 9.25 करोड़ थाली परोसने का लक्ष्य रखा गया।

गहलोत ने वित्तवर्ष 2023-24 के बजट भाषण में 'इंदिरा रसोई' की संख्या बढ़ाकर दो हजार करने और योजना का विस्ताार ग्रामीण कस्बों में भी करने की घोषणा की। इस बीच,एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि प्रियंका गांधी बृहस्पतिवार रात को अपने परिवार के साथ सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर पहुंचीं। वह सपरिवार एक होटल में ठहरी हैं।

परिवर्तन संकल्प यात्रा जन-जन की यात्रा बन रही, प्रदेश की जनता में कांग्रेस के खिलाफ रोष : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को सीकर भाजपा कार्यालय में परिवर्तन संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि परिवर्तन संकल्प यात्रा जनआशीर्वाद यात्रा बन गई है। प्रदेश के हर कौने से इस यात्रा को जनता का अपार समर्थन और स्नेह मिल रहा है। प्रदेश की भ्रष्टाचारी और निकम्मी कांग्रेस सरकार की हमेशा के लिए विदाई अब तय हो चुकी है। युवाओं और किसानों में वादाखिलाफी को लेकर रोष व्याप्त है। किसानों को दस दिन में कर्जमाफी का वादा करके उनकी जमीनें नीलाम करना और युवाओ को पेपर लीक दंश झेलना पड रहा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा प्रदेश के लिए सबसे गंभीर चुनौती बन चुका है। दुष्कर्म और महिला उत्पीडन के मामले में प्रदेश शर्मशार हुआ है। प्रदेश कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते प्रदेश का विकास अवरूद्ध हो गया है। आज हमारे यहां देश का सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल, बिजली मिल रही है। पिछले कई दिनों से एंबूलेंस कर्मियों की हडताल के कारण एबुंलेंस सेवा बंद है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा रही है, लेकिन इस सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस गबबंधन के लोग आज देश में सनतान धर्म को खत्म करने की बात करते हैं। उन्हे यह नहीं पता कि सनातन को खत्म करने का प्रयास मुगलों, अंग्रेजों ने भी किया था जिनको इस देश की जनता ने हमेशा के लिए खदेड़ दिया। सनातन संस्कृति को मुगल ही समाप्त नहीं कर पाए तो कांग्रेस किस खेत की मूली है। सनातन भारत के रग-रग में बसा हुआ है, जिसे ना तो कोई समाप्त कर पाया है ना ही कोई कर पाएगा। सांगलिया धूणी श्रद्धा का केंद्र है। जो हिंदू से मुस्लिम बन गए थे, उनको वापस हिंदू धर्म अपनाने का काम धूणी के संतों ने किया है। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम किया है। ऐसे स्थान पर सभी को जाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सरकार को विदा करने के लिए कार्यकर्ता पूरी मेहनत के साथ लगे हुए है और आगे भी लगे रहेंगे। कांग्रेस सरकार को सत्ता से उखाड फेंकने के लिए हम सभी लोग गांव-गांव ढ़ाणी तक जाएंगे। परिवर्तन संकल्प यात्रा को जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। जिले में यात्रा के आने पर पूरी मेहनत के साथ पूरी करनी है।

गहलोत के हेलीकॉप्टर को उदयपुर से उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश राजधानी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हेलीकॉप्टर को उदयपुर से सीकर जाने की अनुमति नहीं दी। इस कारण गहलोत का सीकर कार्यक्रम रद्द हो गया। गहलोत ने स्वयं सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा,आज बाबा खींवादास जी महाराज की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में सांगलिया पीठ, सीकर जाने का कार्यक्रम था परन्तु जी20 की बैठक के कारण गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने एयरस्पेस में उदयपुर से सीकर हेलीकॉप्टर से जाने की अनुमति नहीं दी जिसके कारण आज सांगलिया पीठ नहीं पहुंच पा रहा हूं। उन्होंने लिखा,सांगलिया पीठ के पीठाधीश्वर ओम दास महाराज से फोन पर बात कर जानकारी दी। मैं जल्द ही सांगलिया पीठ आशीर्वाद लेने आऊंगा।

जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन नौ और 10 सितंबर को दिल्ली में किया गया है जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समेत विकासशील और विकसित देशों के अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय लोक कला मण्डल के उन्नयन कार्यों के लिए 16.26 करोड़ रुपये मंजूर

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर के भारतीय लोक कला मण्डल के उन्नयन कार्यों के लिए 16.26 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार राज्य सरकार लोक कलाओं को बढ़ावा देने के साथ ही इन कलाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं के हित में निरन्तर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री गहलोत ने भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर में विभिन्न उन्नयन कार्यों के लिए 16.26 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

प्रस्ताव के अनुसार भारतीय लोक कला मण्डल में 16.26 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न उन्नयन कार्य करवाएं जाएंगे जिनमें कठपुतली थिएटर, मुख्य भवन में निर्माण कार्य, आंतरिक सज्जा, एलिवेटर निर्माण आदि कार्य शामिल हैं। इन कार्यों हेतु आठ करोड़ रुपये नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर तथा शेष 8.26 करोड़ रुपये पर्यटन विकास कोष से खर्च किए जाएंगे। इसके अनुसार इस मंजूरी से भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर में सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही, प्रदेश की लोक कलाओं को प्रोत्साहित करने तथा इनके संरक्षण में सहायता मिलेगी। एक अन्य फैसले के मुताबिक गहलोत ने मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के अंतर्गत उचित मूल्य के दुकानदारों को फूड पैकेट वितरण के लिए प्रति पैकेट चार रुपये के स्थान पर 10 रुपये देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

प्रासंगिक सुझावों से विभागीय कार्यक्रम ओर होंगे प्रभावी : कुणाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अल्पसंख्यक मामलात विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने शुक्रवार को विजन2030 के अंतर्गत राजस्थान को वर्ष 2030 तक अग्रणी राज्य बनाने के परिपेक्ष्य में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। शासन सचिव ने निर्देश दिए कि राजस्थान मिशन 2030 के अंतर्गत प्राप्त सुझावों को अधिकारी क्रियान्वित करने की रूपरेखा तैयार करें।

जितने भी प्रगतिशील सुझाव प्राप्त हुए हैं व स्थानीय स्तर का कोई विषय प्रासंगिक है तो उसे भी जिला स्तर से आने वाले प्रस्ताव में शामिल किया जाए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को भी अपने सुझाव प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा की राज्य के सभी अल्पसंख्यक समुदायों के लिए समान अवसर, समावेशी विकास और सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के मिशन के लिए विभाग संकल्पित है। विभाग अल्पसंख्यक समाज को सशक्त और उत्थान करने वाले कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित कर रहा है।

बैठक में बजट घोषणाओं की प्रगति, जिलों में संचालित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों के संचालन व छात्रवृत्ति संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गयी। बैठक में अल्पसंख्यक मामलात विभाग के निदेशक जमील अहमद कुरैशी, अतिरिक्त निदेशक मती मंजु, मदरसा बोर्ड सचिव मुक्करम शाह, आर.एम.एफ. डीसी के प्रबंध निदेशक भँवर लाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विजन-2030 के अंतर्गत राजस्थान को 2030 तक अग्रणी राज्य बनाने के लक्ष्य के क्रम में अल्पसंख्यक मामलात विभाग ने 29 अगस्त से 5 सितम्बर तक प्रदेशभर में जिला एवं राज्य स्तर पर हितधारकों के साथ चर्चाएं आयोजित की। जिसमें मदरसा शिक्षा, छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय, आर्थिक विकास व ऋण, कौशल विकास एवं महिला एवं बाल विकास से जुड़े सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सुझावों को संकलित कर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा।

महिला को आंगनवाड़ी में नौकरी देने से इनकार को अदालत ने भेदभाव करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने हाल में एक महिला को उसके विवाहित नहीं होने के आधार पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में रोजगार देने से इनकार करने को अवैध और मनमाना करार देते हुए कहा कि इस मामले ने भेदभाव का एक नया मोर्चा उजागर किया है। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता की एकल पीठ ने महिला एवं बाल विकास विभाग की इस शर्त पर कड़ी आपत्ति जताई कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पद के लिए आवेदकों को विवाहित महिला होना चाहिए। पीठ ने चार सितंबर को प्रतिवादियों को याचिकाकर्ता के आवेदन पत्र का चार सप्ताह के भीतर निपटारा करने का निर्देश दिया।

अदालत ने एक रोजगार विज्ञापन में उल्लिखित शर्त को प्रथम दृष्टया अवैध, मनमाना और संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध बताया। याचिकाकर्ता मधु चरण को बाड़मेर जिले के गुड़ी में आंगनवाड़ी केंद्र में आवेदन पत्र जमा करते समय मौखिक रूप से कहा गया था कि वह अविवाहित होने के कारण इस पद के लिए अयोग्य हैं, जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिकाकर्ता के वकील यशपाल खिलेरी ने दलील दी कि चरण को नौकरी देने से मना कर दिया गया क्योंकि वह अविवाहित थीं और यह शर्त बिल्कुल अतार्किक, उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन और भेदभावपूर्ण है। विभाग के फैसले पर बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या सहायिका के रूप में शामिल होने के बाद यदि कोई अभ्यर्थी शादी कर लेती है और अपने वैवाहिक घर में स्थानांतरित हो जाती है, तो वह केंद्र प्रभावित होता है जहां उसे नियुक्त किया गया था।

बचाव पक्ष की दलीलों को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि विवादास्पद शर्त को शामिल करके प्रतिवादियों द्वारा भेदभाव का एक नया मोर्चा खोला गया है। पीठ ने कहा, इस विवादित शर्त के समर्थन में बताया गया कारण तर्क और विवेक की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है कि अविवाहित महिला शादी होने के बाद अपने वैवाहिक घर चली जाएगी।

विश्वकर्मा एमएसएमई टॉवर निर्माण से सेवा एवं विनिर्माण उद्यमों को मिलेगी गति : अरोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग भवन में शुक्रवार को राजसिको के बाईस गोदाम स्थित भूखण्ड पर विश्वकर्मा एमएसएमई टॉवर निर्माण को लेकर राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में अरोड़ा ने डेवलपर्स से कहा कि प्रोजेक्ट निर्माण होने से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में की गई घोषणा के अनुरूप विश्वकर्मा एमएसएमई टॉवर उभरती कंपनियों और एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमों की सफलता को गति प्रदान करेगा एवं आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव प्रदर्शित करेगा। इसके निर्माण से एमएसएमई क्षेत्र के विकास का अनूठा और गतिशील मॉडल के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि एमएसएमई टॉवर के लिए डेवलपर्स अपने सुझाव साझा करें, जिससे इसके निर्माण की प्रकिया को जल्द प्रारंभ किया जा सके।

बैठक में राजसिको एमडी श्रीमती डॉ. मनीषा अरोड़ा के निर्देशन में टॉवर निर्माण के इच्छुक डेवलपर्स को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप पर प्रोजेक्ट निर्माण का विजन, प्रोजेक्ट के घटक, एमएसएमई टॉवर में सेवा एवं विनिर्माण सेक्शन की जानकारी एवं उद्यमियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं, प्रोजेक्ट का वित्तीय अनुमान आदि का प्रस्तुतीकरण दिया गया। डेवलपर्स ने टॉवर निर्माण की उपयोगिता पर राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा को सहमति प्रदान की एवं शीघ्र ही अपने सुझाव साझा करने की बात कही।

अवध एवं बांद्रा-गाजीपुर सिटी बांद्रा एक्सप्रेस कल से महावीरजी रूकेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। रेल मंत्रालय ने अवध एवं बांद्रा-गाजीपुर सिटी बांद्रा एक्सप्रेस 9 सितम्बर से महावीर जी में दो मिनट का प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गाड़ी संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनल-बरौनी-बांद्रा टर्मिनल अवध एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 20941/20942 बांद्रा टर्मिनल-गाजीपुर सिटी-बांद्रा टर्मिनल का महावीरजी स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए दो मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। सूत्रों के अनुसार गाड़ी संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनल-बरौनी अवध एक्सप्रेस महावीरजी स्टेशन पर आगमन एवं प्रस्थान दोपहर 3:28/3:30 बजे एवं गाड़ी संख्या 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनल अवध एक्सप्रेस महावीरजी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान सुबह 9:28/9:30 बजे रहेगा। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में 9सितम्बर से अगले साल 6 मार्च तक प्रायोगिक तौर पर महावीरजी स्टेशन पर रुकेगी। इस तरह गाड़ी संख्या 20941 टर्मिनल-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस 9 सितम्बर से अगले साल 4 मार्च तक महावीरजी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान दोपहर 2:23/2:25 बजे रहेगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20942 गाजीपुर सिटी-बांद्रा टर्मिनल एक्सप्रेस 11 सितम्बर से अगले साल 6 मार्च तक महावीरजी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 11:21/11:23 बजे रहेगा।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि गाड़ियों के ठहराव से महावीरजी स्टेशन के यात्रियों को आवागमन में राहत मिलेगा।

बाघिन टी-79 के एक और शावक की मौत

भरतपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में भरतपुर सम्भाग के विश्व प्रसिद्ध रणथम्भौर नेशनल पार्क में जन्मे बाघिन टी-79 के एक और शावक की मौत के बाद वन विभाग में हड़कंप की स्थिति की जानकारी प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रणथम्भौर नेशनल पार्क से लापता हुई बाघिन टी-79 की तलाश के दौरान कुछ दिन पहले वन विभाग की सर्च टीम को बाघिन का एक शावक मृत मिला था।

बताया गया है कि इसी सर्च ऑपरेशन में वन विभाग की टीम को दो दिन पहले बाघिन टी-79 के दो और नन्हे शावक मिले जिन्हें गुरुवार को रेस्क्यू कर फलोदी रेंज में रखा गया था लेकिन उसमें से एक शावक की शुक्रवार को मौत हो गई। बाकी बचे एक शावक के इलाज की भी जानकारी मिली है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को नोबेल पुरस्कार विजेता और राष्ट्रगान के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर की एक प्रतिमा का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्र के प्रति टैगोर के समृद्ध योगदान के सम्मान में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। आदमकद प्रतिमा राज्य सूचना और जनसंपर्क विभाग की ओर से क्वीन मैरी कॉलेज (क्यूएमसी) के परिसर में स्थापित की गई है। वर्ष 1914 में स्थापित यह कॉलेज शहर का पहला महिला कॉलेज है।

राज्य सरकार ने पहले घोषणा की थी कि राष्ट्र के प्रति टैगोर के योगदान के सम्मान में उनकी प्रतिमा क्यूएमसी परिसर में स्थापित की जाएगी।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने कैबिनेट सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रतिमा का अनावरण किया और प्रतिमा के पास रखे गए टैगोर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उदयनिधि स्टालिन के बयान पर देश भर से विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/जयपुर/मुज्ज़फरपुर। तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की कथित 'सनातन धर्म' विरोधी टिप्पणी के विरोध में सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों और अन्य हस्तियों ने राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को यहां राज्यपाल कलराज मिश्र को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिलकर 63 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा और सनातन धर्म का अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।'' मेजर जनरल (से.नि) अनुज माथुर ने एक बयान में कहा,भारतवासियों की भावनाओं को आहत करने का सुनियोजित षड्यंत्र हो रहा है। ऐसा लगता है कि भारत को कमजोर करने की साजिश की जा रही है।

वहीं बिहार की एक अदालत में शुक्रवार को एक याचिका दायर की गई जिसमें द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद ए. राजा और कांग्रेस नेता एवं कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे पर हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया। स्थानीय निवासी एवं वकील सुधीर कुमार ओझा ने मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पंकज कुमार लाल की अदालत के समक्ष याचिका दायर की। ओझा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ भी ऐसी ही याचिका दायर की थी। ओझा ने याचिका में राजा और खरगे के बयानों की आलोचना की है। इन दोनों नेताओं ने सनातन धर्म' के संबंध में उदयनिधि की विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन किया था।

याचिकाकर्ता ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत राजा और खरगे पर मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। अदालत ने मामले की सुनवाई 16 सितंबर को निर्धारित की।

हाल ही में चेन्नई में तमिलनाडु प्रगतिशील लेखक और कलाकार संघ की आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता ने कथित तौर पर सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू से की थी और कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उनका उन्मूलन कर देना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने अन्नाद्रमुक की पूर्व मंत्री वलारमति के खिलाफ पुनरीक्षण मामला शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अन्नाद्रमुक की पूर्व मंत्री बी वलारमति और उनके रिश्तेदारों को 2012 में निचली अदालत द्वारा आय से अधिक संपत्ति के मामले में बरी किए जाने के बाद शुरू किए गए आपराधिक पुनरीक्षण मामले पर नोटिस जारी किया।

दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 397 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने स्वतः संज्ञान लेते हुए आपराधिक पुनरीक्षण मामला शुरू किया और राज्य सरकार के अलावा वलारमति, उनके पति के वी बालासुब्रमण्यम और उनके बेटों बी मुथमिजन, बी मूवेंद्रन को नोटिस जारी किया।

अभियोजन पक्ष (सतर्कता और भ्रष्टाचार रोधी निदेशालय-डीवीएसी) का मामला यह था कि वलारमति ने 2001 और 2006 के बीच राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम पर 1.70 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक थी।

घटनाओं का विवरण देते हुए और अभियोजन तथा निचली अदालत द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया में खामियों की ओर इशारा करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि आरोपमुक्त करने के आदेश का अवलोकन करने के बाद, इस अदालत का प्रथम दृष्टया मानना है कि विशेष अदालत ने आरोपमुक्त करने की याचिका पर अपने अधिकार क्षेत्र से परे कदम उठाया।

न्यायाधीश ने कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपमुक्त करने के आदेशों से कई स्पष्ट त्रुटियां उजागर होती हैं जिन्हें किसी भी प्रशिक्षित कानूनी दिमाग के लिए नजरअंदाज करना असंभव था।

न्यायाधीश ने कहा कि आरोपमुक्त करने के संबंधित आदेश में यह देखा गया कि अनुच्छेद 11 में, विशेष अदालत ने कहा कि आरोपपत्र और दायर जवाबी कार्रवाई के बीच विभिन्न विरोधाभास हैं...।''

न्यायाधीश ने कहा कि यदि विशेष अदालत को लगता था कि आगे की जांच आवश्यक है तो उसे इस आशय का निर्देश पारित करने से कोई नहीं रोक सकता। लेकिन ऐसा करने के बजाय अदालत आरोपियों को बरी करने के लिए आगे बढ़ी।

न्यायाधीश ने कहा कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो विशेष अदालत ने आरोपियों को इस आधार पर बरी नहीं किया कि उन सभी के खिलाफ मामला निराधार था, बल्कि इस तथ्य के कारण कि विशेष अदालत की राय में जांच अधूरी थी। न्यायाधीश ने कहा कि इस अदालत को पता है कि आरोपी नंबर एक (वलारमति) की पार्टी (अन्नाद्रमुक) मई 2011 में सत्ता में आई और आरोपी व्यक्तियों को दिसंबर, 2012 को बरी कर दिया गया था।

न्यायाधीश ने कहा कि अन्नाद्रमुक मई 2021 तक सत्ता में रही, और आरोपी नंबर एक सरकार के दूसरे कार्यकाल (2016-2021) में पाठ्यपुस्तक निगम की अध्यक्ष बन गई।

न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी और उसकी पार्टी के सत्ता में लौटते ही तुरंत आरोपमुक्त किए जाने की कार्यप्रणाली सुनियोजित योजना के तहत थी।

'सनातन धर्म के बारे में बात नहीं की' : डॉ. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने हिंदू धर्म पर अपनी आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर शुक्रवार को यू-टर्न ले लिया और कहा कि उन्होंने सनातन धर्म के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। परमेश्वर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मैंने सनातन धर्म के बारे में बात नहीं की है। मैं दूसरों के विश्लेषण का उत्तर नहीं दूंगा। भाजपा विरोध करे, उन्हें प्रदेश में करारा जवाब दिया गया है और आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें करारा जवाब भी मिलेगा।'

मंगलवार को तुमकुरु में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, परमेश्वर ने कहा, 'अभी भी एक प्रश्न चिह्न है कि हिंदू धर्म की स्थापना कब हुई, हिंदू धर्म को किसने जन्म दिया? प्रश्न चिह्न अभी भी है और उत्तर नहीं मिला है। सभी धर्म मानव जाति का कल्याण चाहते हैं।'

वरिष्ठ भाजपा नेता के.एस. ईश्वरप्पा ने हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठाने वाले कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से बिना शर्त माफी की मांग की थी। ईश्वरप्पा ने कहा था, 'आप या तो माफी मांगें या अपने परदादाओं का नाम लेकर आएं।' ईश्वरप्पा ने कहा, परमेश्वर, जो राज्य के गृह मंत्री हैं, को ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। यह सिर्फ सुर्खियां बटोरने की उनकी हताशा को दर्शाता है।

ईश्वरप्पा ने कहा, मैं परमेश्वर को बताना चाहता हूं कि उन्हें हिंदू धर्म पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। परमेश्वर के पिता गंगाधरप्पा हैं। उनके दादा मरियप्पा हैं। उन्हें अपने परदादा का नाम बताने दीजिए। ईश्वरप्पा ने कहा था, हिंदू धर्म पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। क्या हिंदू धर्म पर टिप्पणी करना सही है?

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग्रेटर चेन्नई ट्रैफिक पुलिस के आपातकालीन बचाव और दुर्घटनाओं में बचाव के लिए वीरा वाहन को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

भाजपा और जद(एस) के बीच लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन से चिंतित नहीं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) के बीच चुनावी समझौते से चिंतित नहीं हैं और लोग कांग्रेस पार्टी का समर्थन करेंगे। सिद्दरामैया का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की पार्टी जनता दल (एस) के साथ तालमेल करेगी। येडीयुरप्पा की इस घोषणा ने राज्य में सियासी तापमान बढ़ा दिया है।

सिद्दरामैया ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, उनके बीच गठबंधन होगा या वे अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे, मुझे इसकी चिंता नहीं है। हम लोगों से वोट करने की अपील करेंगे। लोग हमारे साथ हैं। वे हमें वोट देंगे। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने इस घटनाक्रम को लेकर कहा कि यह कोई नयी बात नहीं है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इस घटनाक्रम को लेकर कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है। शिवकुमार ने कहा, 'वे ऐसा कर लें ....पहले भी उन्होंने ऐसा किया था जब अशोक अन्ना (भाजपा नेता आर. अशोक) और कुमार अन्ना (कुमारस्वामी) पिछली (भाजपा-जद (एस) गठबंधन) सरकार में एक साथ आए थे। वे अपना अस्तित्व बचाने के लिए कुछ भी कर लें। लेकिन मेरा सवाल यह है कि उनकी (जद एस की) विचारधारा क्या है? देवेगौड़ा ने पहले की स्थितियों में भाजपा के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया था।

भाजपा-जद (एस) में लोस चुनाव के लिए होगा तालमेल

देवेगौड़ा की पार्टी चार सीट पर लड़ेगी : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पार्टी जनता दल (एस) के साथ तालमेल करेगी। येडीयुरप्पा की इस घोषणा ने राज्य में सियासी तापमान बढ़ा दिया है। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येडीयुरप्पा ने कहा कि चुनावी तालमेल के तहत जद (एस) कर्नाटक में 28 संसदीय क्षेत्रों में से चार पर चुनाव लड़ेगी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं इसे लेकर खुश हूं कि देवेगौड़ाजी ने हमारे प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्होंने चार सीट तय कर ली हैं। मैं इसका स्वागत करता हूं... भाजपा और जद (एस) के बीच तालमेल होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जद (एस) को चार लोकसभा सीट देने के लिए राजी हो गए हैं।' येडीयुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'इसने हमें काफी ताकत दी है और इससे साथ मिलकर हमें 25-26 लोकसभा सीट जीतने में मदद मिलेगी।' भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में कर्नाटक में 25 सीट पर जीत हासिल की थी, वहीं, भाजपा समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी जीत हासिल की थी। कांग्रेस और जद (एस) ने एक-एक सीट पर जीत हासिल की थी। इस साल मई में हुए 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को 135 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 66 और जद (एस) को 19 सीटें मिलीं।

विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि जद (एस) लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। यह भी कहा गया कि जद (एस) नेता ने इस संबंध में दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की थी। हालांकि, बाद में जद (एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने संकेत दिया था कि पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। जद (एस) ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ा था। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, तालमेल को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और जद (एस) के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत हुई है और राज्य के नेताओं को इस बारे में अधिक जानकारी नहीं है।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा हासन और बेंगलूरु ग्रामीण सीटें जद (एस) को दे सकती है, जहां मौजूदा समय में उसके सांसद नहीं हैं। सूत्रों ने बताया कि आने वाले दिनों में विचार-विमर्श के बाद सीटों को लेकर स्थिति साफ हो सकती है, क्योंकि मंड्या, तुमकुरु, कोलार और चिक्कबल्लापुर जैसी सीटों के नाम पर भी चर्चा हो रही है। जद (एस) के साथ चुनावी तालमेल से जुड़े सवाल पर भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने कहा, चर्चा शुरू हो चुकी है। हम सभी 28 सीटें जीतने के लिए पूरी तैयारी करेंगे। उन्होंने कहा, हम आने वाले दिनों में चुनावी रणनीति और तैयारियों के संबंध में बैठेंगे और चर्चा करेंगे।

भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, हमने कई मुद्दों पर विधानसभा के अंदर और बाहर इस 'दुष्ट' (कांग्रेस) सरकार के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ाई लड़ी है। स्वाभाविक रूप से, कर्नाटक को बचाने के लिए विपक्षी दलों का एकजुट होना जरूरी है। उस संदर्भ में ये चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। आने वाले दिनों में सब कुछ सामने आ जाएगा। वहीं, इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी करने से बचते हुए जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष सी.एम. इब्राहिम ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेगौड़ा इस बारे में विस्तृत बयान देंगे।

उन्होंने कहा, अभी तक पार्टी मंच पर इस संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। 10 सितंबर को हमने पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई है, हम वहां कार्यकर्ताओं की राय लेंगे। पार्टी के वरिष्ठ विधायक जी.टी. देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली कोर कमेटी पूरे राज्य का दौरा करने के बाद जो भी रिपोर्ट देगी, हम उसके आधार पर निर्णय लेंगे।

सरकार की विफलता के लिए भाजपा नेताओं के साथ 16 जिलों का दौरा करेंगे : बीएस येडीयुरप्पा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने इस बात पर आपत्ति जताई कि किसान विरोधी कांग्रेस सरकार लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त होती जा रही है।

राज्य में कांग्रेस सरकार की जनविरोधी और किसान विरोधी नीतियों की निंदा करने के लिए भाजपा द्वारा आज बेंगलूरु में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। शहर के फ्रीडम पार्क में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में येडीयुरप्पा ने कहा कि वे 16 सितम्बर को हम कोलार के कुदुमले में श्री विनायक भगवान के दर्शन करने जा रहे हैं और अपने सभी नेताओं के साथ राज्य के हर जिले का दौरा शुरू करेंगे। जिलों में सरकार के खिलाफ तीखा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने ऐलान किया कि जब तक किसान विरोधी इस सरकार को उखाड़ नहीं फेकेंगे तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बिजली के अभाव में किसानों के पंप सेट चालू नहीं हो पा रहे हैं। दिन में तीन से चार घंटे भी बिजली नहीं मिलती है। सिंचाई परियोजनाएं बंद कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जनता के कल्याण को पूरी तरह से भूल चुकी भ्रष्ट सरकार के खिलाफ लड़ाई शुरू हो गयी है। राज्य में इस बार मानूसन सामान्य नहीं रहा है। यह सरकार कावेरी नदी में पानी की कमी के बारे में कावेरी प्राधिकरण को सूचित करने में विफल रही है। हम कावेरी जल मुद्दे पर संघर्ष तेज करने जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि हम किसानों के हितों के लिए खड़े रहेंगे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और तमिलनाडु राज्य के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य प्रोफेसर रघुराम राजन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।

वायुसेना उप प्रमुख ने देश में विकसित प्रशिक्षण विमान एचटीटी-40 उड़ाया

बेंगलूरु। वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शुक्रवार को बेंगलूरु में हिंदुस्तान टर्बो ट्रेनर एयरक्राफ्ट-40 (एचटीटी-40) उड़ाया। भारतीय वायुसेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। विमान को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के विमान अनुसंधान और डिजाइन केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है और यह भारत के सशस्त्र बलों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं पर आधारित है।

बयान में कहा गया कि एचटीटी-40 एक पूरा एयरोबैटिक विमान है, जो चार ब्लेड वाले टर्बो-प्रोप इंजन द्वारा संचालित है। यह एक अत्याधुनिक ग्लास कॉकपिट, आधुनिक एवियोनिक्स और जीरो-जीरो इजेक्शन सीट सहित नवीनतम सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। ट्रेनर की अधिकतम गति 450 किलोमीटर प्रति घंटा और अधिकतम सर्विस सीलिंग छह किलोमीटर है। एचटीटी-40 ने पहली बार 31 मई 2016 को उड़ान भरी और छह जून 2022 को सिस्टम स्तर का प्रमाणपत्र प्राप्त किया। सैन्य उड़ान योग्यता और प्रमाणन केन्द्र की मंजूरी से विमान परिचालित किया जा रहा है। वायु सेना ने 70 विमानों की आपूर्ति के लिए एचएएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। सेवा में इसका प्रवेश 15 सितंबर 2025 को शुरू होगा और 15 मार्च 2030 तक जारी रहेगा।

सुविचार

आप तब तक नहीं हार सकतें, जब तक आप कोशिश करना नहीं छोड़ देते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'इंडिया' या 'भारत'?

'इंडिया' बनाम 'भारत' की बहस को बेवजह तूल दिया जा रहा है। संभवत: कुछ राजनीतिक दल यही चाहते हैं कि यह बहस जारी रहे, ताकि वे इस मुद्दे को भुनाते रहें। जी20 से संबंधित रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' (भारत की राष्ट्रपति) के तौर पर संबोधित किए जाने के बाद यह 'राजनीतिक विवाद' पैदा हुआ, जो अब तक शांत नहीं हुआ है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार देश के दोनों नामों 'इंडिया' और 'भारत' में से 'इंडिया' को बदलना चाहती है। क्या 'इंडिया' और 'भारत' में कोई अंतर है? हमारा संविधान तो यह कहता है कि 'इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ है।' आज 'इंडिया' और 'भारत', दोनों ही नाम प्रचलित हैं। अंग्रेजी मीडिया 'इंडिया' लिखता / बोलता है, हिंदी मीडिया में 'भारत' का दबदबा है। सोशल मीडिया के प्रसार के बाद प्राय: वह पीढ़ी देवनागरी में भी 'इंडिया' लिखती है, जिसकी पढ़ाई-लिखाई का माध्यम अंग्रेज़ी है। पिछले कुछ वर्षों से सोशल मीडिया पर 'हिंदुस्तान' खूब लिखा जा रहा है। विद्वानों के बीच इस बात को लेकर मतभेद देखने को मिलते हैं कि यह 'हिंदुस्तान' होना चाहिए या 'हिंदूस्थान'! विभिन्न कालखंडों में आर्यावर्त, जंबूद्वीप समेत कुछ और नाम प्रचलन में रहे हैं। 'इंडिया' नाम का प्रचलन ब्रिटिश साम्राज्यवाद के दौर में हुआ था। ब्रिटिश शासकों ने जो नक्शे प्रकाशित किए, सिक्के ढाले, उनमें यह नाम प्रमुखता से मिलता है। उससे पहले मुगल शासकों के दौर में 'हिंदुस्तान' नाम प्रचलित था। राज दरबार से लेकर बोलचाल में 'हिंदुस्तान' काफी आम था। अगर आज़ादी के आसपास के समय की हिंदी फिल्में देखें तो उनमें 'हिंदुस्तान' और 'भारत', दोनों ही बड़ी संख्या में मिलते हैं। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका इसे 'भारत', 'भारतवर्ष', 'रिपब्लिक ऑफ इंडिया' कहता है। प्राचीन ग्रंथों में 'भरतखंड', 'मेलुहा', 'अजनाभवर्ष' जैसे नाम मिलते हैं। इनमें से अंतिम दो के बारे में बहुत कम लोगों ने सुना होगा। ये आज प्रचलन में भी नहीं हैं, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि ये नाम हमारे देश की पहचान को अभिव्यक्त करने का माध्यम हैं / रहे हैं। लिहाजा इनका सम्मान करना चाहिए।

हो सकता है कि अन्य काल खंडों में भारत के लिए ऐसे और नाम प्रचलन में रहे हों, जिनके बारे में अब अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। कभी हमारा एक पड़ोसी देश बर्मा कहलाता था, जो अब म्यांमार हो गया है। पर्शिया अब ईरान कहलाता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश (वर्ष 1947 से 1971 तक पूर्वी पाकिस्तान) तो अखंड भारत के हिस्से थे। तुर्की भी तुर्किए बन गया है। ऐसे कई देश हैं, जिनके एक से ज्यादा नाम हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कोई देश होगा, जिसके इतने नाम हों, जितने हमारे देश के हैं! हमें इन नामों को लेकर न कभी असुविधा हुई, न कभी भ्रम की स्थिति पैदा हुई। लेकिन इन सभी नामों में से ऐसा नाम कौनसा है, जो हमारे देश की आत्मा को सबसे अधिक स्पर्श करता है? वह नाम कौनसा है, जो हमारी विविधता को एक सूत्र में पिरोने की क्षमता रखता है? महानगरों से निकलकर छोटे कस्बों, गांवों, ढाणियों में जाकर लोगों से पूछें कि वे किस नाम के साथ अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं? वह नाम कौनसा है, जिसे केंद्र में रखकर हमारे दार्शनिकों, स्वतंत्रता सेनानियों ने इस देश को साक्षात माता कहा है? निस्संदेह ये सभी विशेषताएं केवल 'भारत' में हो सकती हैं। 'माता' शब्द भी भारत के साथ ही ठीक जुड़ता है, 'इंडिया' के साथ नहीं। इसलिए हमारे देश की पहचान को पूर्णत: अभिव्यक्त करने की क्षमता रखने वाला नाम 'भारत' है। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि 'इंडिया', 'हिंदुस्तान' और अन्य नामों का महत्त्व कम है। ये भी भारत के नाम हैं। इनका इतिहास है। इनका अपनी जगह महत्त्व है और रहेगा। जहां तक 'इंडिया' बनाम 'भारत' की बहस का सवाल है तो इसे सियासी रंग देने से बचना चाहिए। आज करेंसी नोटों से लेकर हमारी सेनाओं, इसरो, प्रौद्योगिकी व प्रबंधन संस्थानों ... सब जगह 'इंडिया' मौजूद है। इसलिए यह कहना तर्क संगत नहीं है कि 'इंडिया' को हटाया जा रहा है। हां, 'भारत' के साथ जो अपनत्व और गर्व की अनुभूति जुड़ी है, वह अद्वितीय है। अत: इस नाम के प्रचार-प्रसार पर ज्यादा जोर देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

शिक्षा राष्ट्र की समृद्धि का आधार है। क्योंकि नागरिक शिक्षित होगा तभी अपने मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग होगा। तो आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर हम प्रत्येक बच्चे को विद्यालय तक पहुंचाने तथा शिक्षित भारत बनाने का प्रण करें।

-वसुंधरा राजे

आज सीकर जाने का कार्यक्रम था परन्तु जी-20 की बैठक के कारण गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने एयरस्पेस में उदयपुर से सीकर हेलिकॉप्टर से जाने की अनुमति नहीं दी जिसके कारण आज सांगलिया पीठ नहीं पहुंच पा रहा हूं।

-अशोक गहलोत

राजस्थान के सरदारशहर (चूरू) में हुए भीषण सड़क हादसे में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु बेहद दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। असीम पीड़ा की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। हादसे में घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

भाई का त्याग

महात्मा हंसराज डीएवी संस्थान के संस्थापक प्राचार्य थे। उन्होंने आर्य समाज मंदिर लाहौर में डीएवी स्कूल के लिए अवैतनिक कार्य करने की घोषणा की थी। उन्होंने अपने परिजनों से भी इस विषय में स्वीकृति नहीं ली थी। वे अपने भाई मूलराज जी के साथ लाहौर में रहते थे। मूलराज जी को जब अपने भाई हंसराज की वेतन रहित कार्य करने की घोषणा के बारे में पता चला तो उन्होंने अपूर्व त्याग का परिचय देते हुए अपने भाई से कहा कि तुम अपनी घोषणा से पीछे मत हटना। घर-परिवार की चिंता भी मत करना, जिस पवित्र भावना से तुमने ऋषि मिशन का कार्य करने की योजना बनाई है, जीवनभर इस पवित्रता के साथ कार्य करते रहना। मैं तुम्हारी इच्छापूर्ति के लिए तुम्हारे सपने को साकार करूं। इसलिए मैं यह संकल्प करता हूं कि मैं जीवनभर अपने वेतन का आधा वेतन प्रति माह तुम्हें देता रहूंगा। उस समय मूलराज जी का वेतन 80 रुपये प्रति माह था। यह बड़े भाई का त्याग छोटे भाई के लिए था। महात्मा हंसराज जी को त्यागी, तपस्वी, यशस्वी और शिक्षाविद के रूप में जाना जाता है, इसके पीछे उनके बड़े भाई मूलराज का त्याग है।

सामयिक

क्या टुकड़ों में विभाजित होगा पाकिस्तान?

सुरेश हिन्दुस्थानी

मोबाइल : 9770015780

वर्तमान में पाकिस्तान में जिस प्रकार के स्वर मुखरित हो रहे हैं, उसके निहितार्थ लगाए जाएं तो यही परिलक्षित होता है कि पाकिस्तान की जनता अब अपने ही उन नीति नियंताओं का विरोध करने पर उतारू हो गए हैं, जिन्होंने पाकिस्तान बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही राजनीतिक दुष्चक्र में गोता लगाने वाले पाकिस्तान के शासकों ने केवल अपने हित की राजनीति को ही प्रधानता दी। जिसके कारण न तो पाकिस्तान प्रगति कर सका और न ही वहां की जनता का जीवन स्तर ही बेहतर हो सका है। आज इस तथ्य को सभी जानते हैं कि पाकिस्तान की जनता अनेक प्रकार की विसंगतियों का सामना कर रहा है। महंगाई का आलम यह है कि जनता इसमें लगातार पिस रही है। दैनिक उपयोग की वस्तुयों के आसमानी भाव ने जनता के माथे पर चिंता की लकीरें स्थापित कर दी हैं। अब पाकिस्तान में एक नई समस्या भी स्थापित हो रही है, जिसमें अब पाकिस्तान की जनता ही अपने शासकों को कोष रही है। इतना ही नहीं वहां की जनता के मुख से पाकिस्तान से आजादी प्राप्त करने की आवाजें सुनाई देने लगीं हैं। इससे हो सकता है कि पाकिस्तान अपनी स्वयं की करनी के कारण टूट कर बिखर जाए।

वर्तमान में पाकिस्तान के कई प्रांतों में भारतीयता की झलक देखने को मिल रही है। इसलिए कहा जा सकता है कि पाकिस्तान स्वाभाविक रुप से आज भी भारत का ही अंग है। पाकिस्तान ने बार-बार कश्मीर बोला, भारत ने हमेशा सहन किया। इसके बाद भारत ने एक बार ब्लूचिस्तान के नागरिकों की भावनाओं को व्यक्त किया तो चीन और पाकिस्तान की भौंहें तन गई। पूरा विश्व इस बात को भली भांति जानता है कि आज ब्लूचिस्तान, गिलगित और बाल्टिस्तान में जिस प्रकार से मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है, उसमें पाकिस्तान का चेहरा पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। इन स्थानों पर अंदर ही अंदर पाकिस्तान के विरोध में वातावरण बना हुआ है। कुछ लोगों ने खुलकर विरोध करना प्रारंभ कर दिया है, और कुछ लोग पाकिस्तान के दमनकारी रवैये के कारण डरे सहमे हुए हैं। अगर पाकिस्तान के इन क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं को समझा जाए तो यह क्षेत्र किसी भी तरीके से पाकिस्तान के साथ रहना नहीं चाहते।

भारत में जिस प्रकार से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिली हुई है, उसी तरह की बोलने की आजादी पाकिस्तान में भी होती तो संभवत: आज पूरे पाकिस्तान में ही विरोधी स्वर सुनाई दे रहे होते। सिंध और ब्लूचिस्तान की जनता की ओर से जहां भारत में शामिल होने के स्वर सुनाई देने लगे हैं। इतना ही नहीं इन प्रदर्शनकारियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का खुलकर समर्थन भी किया है। आगे चलकर यह भी हो सकता है कि ब्लूचिस्तान और सिंध की तर्ज पर पाकिस्तान के पंजाब में भी आजादी की मांग उठने लगे। क्योंकि पंजाब के कई लोग अपने आपको आज भी स्वाभाविक रुप से भारत का हिस्सा ही मानते हैं। वहां भारतीय संस्कृति के अवशेष बिखरे हुए दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं वहां के जनजीवन में भी भारतीयता की झलक दिखाई देती है।

पाकिस्तान में आज जो हालात दिखाई दे रहे हैं, वह केवल आतंकी आकाओं की बढ़ती हुई सक्रियता का ही परिणाम कहा जाएगा। कई क्षेत्रों में बेरोजगारी और भुखमरी के हालात हैं। पाकिस्तान ने इस समस्या के समाधान के लिए किसी प्रकार के प्रयास नहीं किए। इसके विपरीत आतंकवाद को बढ़ाने के लिए पूरा समर्थन दिया। वर्तमान में पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि लोग आतंकवाद का विरोध करना भी चाहें तो भी नहीं कर सकते। ऐसा करने पर आतंकवादी अपने ही नागरिकों पर अत्याचार करते हैं। जिसका दंश भोली भाली जनता को भोगना पड़ रहा है। पाकिस्तान की जनता पूरी तरह से आतंकवाद से त्रस्त आ चुकी है।

लम्बे समय से पाकिस्तान की दमनकारी अत्याचार को सहन कर रही वहां की जनता को जब लगा कि नरेन्द्र मोदी ने उनकी भावनाओं को समझा है, तो वह पूरी तरह से उनके साथ आने लगे हैं। इसके साथ ही कश्मीर की बात करें तो वहां के वातावरण को बिगाड़ने में पाकिस्तान का पूरा हाथ रहा है। यहां पर एक बात तो साफ है कि पूरी समस्या के लिए पाकिस्तान ही दोषी है, फिर भी उलटा चोर कोतवाल को डाटे वाली तर्ज पर पाकिस्तान की सरकार चल रही है। पाकिस्तान के अपने प्रांतों में वर्तमान में जो हालत है, उसके लिए पाकिस्तान के सरकारी मुखिया और आतंकवाद फैलाने वाले संगठन ही जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान के विरोध में पाकिस्तानियों के खड़े होने का आशय यही है कि वहां का हर व्यक्ति आतंकवाद का समर्थन नहीं करता। आज ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान से आजादी की मांग करने के लिए जबरदस्त प्रदर्शन हो रहे हैं। यहां पहले तो इस बात को समझना चाहिए कि ब्लूचिस्तान क्या है? तो इसका जवाब यही है कि ब्लूचिस्तान को आजादी के समय अलग देश की मान्यता मिली थी। यह पाकिस्तान का स्वाभाविक हिस्सा नहीं था। पाकिस्तान ने हमला करके ब्लूचिस्तान पर कब्जा किया था।

तब से ही ब्लूचिस्तान के नागरिक पाक की ज्यादतियों के विरोध में आवाज उठाते रहे हैं। इसलिए यह कहना कि यह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण हो रहा है, किसी भी रुप से सही नहीं है। यह बात सही है कि पाकिस्तान कश्मीर के मुद्दे पर बेशर्मी की हदें पार करने वाला व्यवहार करता आया है, इसलिए उससे कश्मीर के मामले में अच्छे व्यवहार की कल्पना करना निरर्थक ही है।

बार-बार पराजय झेलने के बाद भी उसकी भूमिका में कोई सुधार नहीं आया है। अब सवाल यह आता है कि जिस प्रकार से ब्लूचिस्तान और सिंध में पाकिस्तान से आजाद होने की आवाजें उठ रही हैं, उसमें भारत की क्या भूमिका रहेगी। पाकिस्तान के प्रांतों में आजादी के लिए हो रहे विरोध प्रदर्शनों के चलते एक बात स्पष्ट रुप से दिखाई दे रही है कि पाकिस्तान भविष्य में तीन या चार हिस्सों में विभाजित हो जाएगा। मान लीजिए पाकिस्तान के चार हिस्से बनते हैं, तब ब्लूचिस्तान, सिंध और पंजाब देश पाकिस्तान के विरोध में रहेंगे। तब पाकिस्तान एक दम कमजोर हो जाएगा और फिर उसकी ओर से फैलाए जा रहे आतंकवाद की आग में वह स्वयं ही झुलस जाएगा।

विशेष

विदेशी मेहमान भी होंगे मोटे अनाज से रू-ब-रू

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में विदेशी मेहमानों को मोटे अनाज के व्यंजनों का स्वाद भी चखने को मिलेगा। इस प्रकार हम कह सकते है की हमारे विदेशी मेहमान भी होंगे मोटे अनाज से रू-ब-रू। मेहमानों के ब्रेकफ्रास्ट से लेकर लंच और डिनर तक के भोजन में 500 से ज्यादा डिशेज को शामिल किया गया है जिसमें मिलेट यानी मोटे अनाज से बनने वाले व्यंजन शामिल हैं। भारत ने मिलेट को वैश्विक दर्जा दिया है। इससे बनी खास डिश जैसे रागी इडली,लैम्ब व मिलेट सूप, मुर्ग बादाम चौलाई कोरमा, नरगिसी कोफ्ता और मिलेट खीर भी मेहमानों के स्वाद को बढ़ाने का काम करेंगी। मिलेट और इससे होने वाले फायदे को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट घोषित किया गया है। भारत की ओर से की गई इस पहल के कारण दुनिया का ध्यान आम तौर पर नकार दिए जाने वाले इस अनाज की ओर गया है। प्रमुख मोटे अनाजों में जहां ज्वार, बाजरा और रागी शामिल हैं वहीं छोटे अनाजों में कंगनी, कुटकी और कोदों प्रमुख हैं। मिलेट पोषक तत्वों से भरपूर ऐसा अनाज है जिसकी पैदावार कम बारिश वाले क्षेत्रों में भी की जा सकती है। हमारे देश में आज भी घर घर में लोग गेहूं के साथ मक्के, बाजरा और चंने की रोटी पसंद करते हैं। सर्दी हो या गर्मी लोग इसे बड़े ही चाव के साथ न केवल खाते है अपितु मेहमानों की परोसगारी भी करते है। इसे मोटा अनाज कहा जाता है, जिसमें ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो, कुटकी और कुट्टू शामिल है। सर्दी के दिनों में ठंड से शरीर को बचाने के लिए ज्वार और बाजरा खाने की सलाह भी दी जाती है। गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज में मिनरल, विटामिन, एंजाइम और इन सॉल्युबल फाइबर भी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। मोटे अनाज को खाने से शरीर में कई पोषक तत्वों की पूर्ति होती है साथ ही यह कुपोषण से भी बचाव करेगा। मोटे अनाजों में बीटा-कैरोटीन, नाइयासिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ता आदि खनिज लवण भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। देश में मिलेट्स जिसे मोटा अनाज कहा जाता है के पक्ष में माहौल बनना शरू हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में पैदा होने वाले मोटे अनाज में 41 प्रतिशत तक भारत में पैदा होता है। देश में सर्वाधिक बाजरा उत्पादन करने वाले राज्य राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में मोटे अनाज की महत्ता, उपयोगिता और पोषण गुणवत्ता को लेकर कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है जिनके माध्यम से किसानों और आम नागरिकों में जागरूकता पैदा की जा रही है। राजस्थान का बाजरे के उत्पादन और क्षेत्रफल दोनों दृष्टि से देश में प्रथम स्थान है। देश में बाजरा क्षेत्रफल में राजस्थान का हिस्सा 57.10 प्रतिशत है वहीं उत्पादन में 41.71 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसी तरह राष्ट्र में ज्वार के क्षेत्रफल और उत्पादन में राज्य का तीसरा स्थान है।

कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य मोटे अनाजों का है। मोटे अनाज के क्षेत्र में किसानों एवं कृषि उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए इनकी उपयोगिता जगजाहिर है। मोटे अनाजों के उत्पादन को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ प्रसंस्करण गतिविधियों के जरिए उद्यमिता को भी बढ़ावा दिया जाए। इससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। भारत सरकार ने बजट में ऐलान किया कि बाजरा, कोदो, सांवा जैसे मोटे अनाज को बढ़ावे देने के लिए श्रीअन्न योजना शुरू की जाएगी। भारत मिलेट्स को लोकप्रिय बनाने के काम में सबसे आगे है, जिसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है। भारत विश्व में श्रीअन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत में कई प्रकार के श्रीअन्न की खेती होती है जिसमें ज्वार, रागी, बाजरा, कुट्टु, रामदाना, कंगनी, कुटकी, कोदो, चीना और सामा शामिल हैं। मोटे अनाज को सुपर फूड भी कहा जाता है। मोटे अनाज में बाजरे की रोटी, दलिया, बिस्कुट, पकौडी , लड्डू के साथ ही मकई की रोटी व घट्ठा, कोदो का भात, मिक्स अनाज का पापड़, ज्वार की खिचड़ी, चव्यनप्राश, बिस्कुट, बेकरी उत्पाद जैसे व्यंजन बनाये जा सकते है।

नजरिया

दूसरों से प्रेम करें और खुद से भी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवनपथ, कार्यक्षेत्र में सफलता के सपने संजोता है। पर, सबके सब सपने सच में नहीं बदलते। अथक परिश्रम के पश्चात भी यदि सफलता न मिले तो निराश-हताश होना स्वाभाविक है। निराशा का गहरा कुहरा व्यक्ति के मनोबल और विश्वास को कमजोर बना देता है। वह हीनभावना से ग्रस्त हो जाता है। ऐसी स्थिति से उबरने के लिए जेनकाऊल ने कहा 'स्मरण रखो- आने वाला दिन आज की अपेक्षा अधिक उल्लासपूर्ण होगा। दिन के बाद रात आती है, तो रात के बाद उजली सुबह भी जरूर आएगी। उसके पूरे-परे उपयोग की तैयारी करो।' इसका अर्थ है- आशा और विश्वास की दीवार को कभी मत दरकने दो। यह आशावादी दृष्टिकोण सफलता का पहला सोपान है। व्यक्तित्व का शक्तिशाली घटक है। निराशा एवं अनिश्चितता के दौर में हम ऐसी सभी चीजों से दूर भागने लगते हैं, जिनसे हमें असुविधा होती है। हम समय ऐसे कामों में बिताने लगते हैं, जो हमारे लिए बेहतर विकल्प नहीं होते। अपनी बेचैनियों को धैर्य से जीते हुए सही दिशा में चलने के बजाय हम आसान रास्तों की ओर दौड़ने लगते हैं। कहते हैं कि डर कर फैसले करने के बजाय सही राह की प्रतीक्षा करना ही सही होता है।

जीवनयात्रा में व्यक्ति अनेक खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजरता है। वह कभी फिसलता भी है, गिरता भी है, गलतियां भी करता है, किन्तु हर चूक उसे चेताती है, हर ठोकर ठीक चलने का सबक सिखाती है, हर असफलता सफलता के द्वार खोलती है। इस प्रकार वह प्रत्येक घटना से बोध पाठ पढ़ता है और परिपक्वता के साथ-साथ अनुभव प्रवण भी बनता जाता है। उन अनुभवों से प्रेरणा लेकर जो निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं, वे अपने व्यक्तित्व की स्वतंत्र पहचान बना लेते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन जाते हैं। लेखक व प्रोफेसर मॉरी शेजवार्टज ने अपनी किताब 'ट्यूसडेज विद मॉरी' में लिखा है, 'अपने आसपास मैं रोज सैकड़ों लोगों को देखता हूं। इनमें से कई हैं, जो सफल हैं, व्यस्त हैं, पर इतने थके हुए दिखते हैं जैसे अधमरे हों। मैं मानता हूं कि वे उस रास्ते पर नहीं चल रहे, जिन पर उन्हें चलना चाहिए।' सही रास्ता वो है, जो आपको आशावादी बनाए, संतोष दे, आपको मुस्कराने की वजह दे। इन सबके लिए आपको सफल, अमीर या शक्तिशाली बनने की बजाय संवेदनशील एवं करुणाशील बनने की जरूरत है।

संवेदनशीलता का अर्थ है दूसरों की कठिनाइयों को जानने समझने की क्षमता। भौतिक/आर्थिक विकास की दिशा में निरंतर प्रतिस्पर्धात्मक दौड़, औद्योगिक विकास, मोबाइल संस्कृति का बढ़ता प्रभाव, सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व- इन सब कारणों से आज का मनुष्य अधिक आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है। करुणा और संवेदनशीलता के स्रोत सूख रहे हैं। विश्व की भौगोलिक सीमाएं सिमट रही हैं, दूरिया मिट रही हैं किन्तु मनुष्य-मनुष्य के बीच बिन्ध्याचल खड़े हो रहे हैं। संवादहीनता बढ़ रही है। संवेदनशीलता समाप्त हो रही है। मानव-मानस मरुस्थल बन रहा है। ऐसी स्थिति में भावनात्मक रिश्ते ही संबंधों की धरती पर स्नेह-सौहार्द की हरियाली उगा सकते हैं।

अमेरिकी लेखक और मोटिवेशनल स्पीकर ब्रिएना विएस्ट भावनात्मक बुद्धि पर अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उनके अनुसार जब निजी स्तर पर हमारा दर्शन सिर्फ यही रह जाए कि हम बिना कोई प्रश्न पूछे वही करने लगें, जो हमें कहा जाए, तो इसका अर्थ है कि हम उपभोक्तावाद या अपने अहं या किसी के प्रति अंध श्रद्धा का शिकार हो रहे हैं या किसी ऐसे की इच्छा का पोषण कर रहे हैं, जो हमें नियंत्रित करना चाहता है। जबकि सफल एवं सार्थक जीवन के लिये हमें स्व-अनुभव एवं प्रयोग की भूमि पर चलना होगा। स्व-अनुभव संपदा का अर्जन और समाज के व्यापक हित में उसका नियोजन करने वाले व्यक्ति सहज ही सर्वत्र सम्मानित एवं सफल मान जाते हैं।

अक्सर कुछ महान करने के चक्कर में हम कुछ नहीं कर पाते। हम दूसरों के किए हुए में कमियां निकालने में लगे रहते हैं और दूसरे सब बातों से बेपरवाह एक के बाद एक सफलता अपने नाम करते जाते हैं। हम पूर्णता की चाह में अटके रहते हैं, और दूसरे आधे-अधूरे काम करते हुए बढ़ते जाते हैं। ओशो कहते हैं, जीवन महान चीजों से नहीं, छोटी-छोटी चीजों से बनता है। अपूर्णता की निंदा क्यों?' हमें जीवन के प्रति सकारात्मक होना जरूरी है। सकारात्मक नजर हो तो नजारा भी अलग ही नजर आता है। जो चीज एक के लिए कौड़ी होती है, दूसरे को वही मोती नजर आती है। एक को आफत लगती है, तो दूसरे के लिए सुनहरा मौका बन जाती है। ये कतई जरूरी नहीं कि जो बात आपके काम की नहीं है, वो दूसरे के लिए भी बेकार ही होगी। कहते हैं कि बबूल के पेड़ में आपको कांटें नजर आते हैं और ऊंट को अपना भोजन। जरूरत है जीवन के प्रति आशावादी नजरिया अपनाने की। मन की मरम्मत करना दरअसल अपने मुकद्दर की मरम्मत करना है। समय के साथ अपने भीतर जो नेगेटिव इमोशन की तारों का जंजाल बन जाता है, उनकी जगह सही तारों की वायरिंग करते रहना जरूरी होता है। उसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। योजना बनाकर खुद पर काम करना होता है। और ऐसा सब करते हैं।

सबकी कोई न कोई दुखती रग होती है। और फिर बीती बातें केवल बीते समय की नहीं होतीं। वो हमारे आज पर भी असर डाल रही होती हैं। तो अपने आज को सही ढंग से देखने की कोशिश करना, हमारे भीतर को भी हील कर देता है। अपनी कड़वी यादों से भागें नहीं, उन्हें देखने का नजरिया बदलें। उनसे सबक लेकर आगे बढ़ जाएं। जल्दबाजी न करें, बस धीरे-धीरे कदम बढ़ाते रहें। फिर प्रेम से बड़ा हीलर कौन है। भीतर प्रेम होगा तो माफ करना आसान होगा। दूसरों से प्रेम करें और खुद से भी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जश्न

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर डुमरी से झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी की जीत के बाद जश्न मनाते हुए मिठाइयां बांटते हुए।

'भारत के दामाद' के रूप में यह खास है'

लंदन/भाषा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने 'भारत का दामाद' बताए जाने के संदर्भ का हवाला देते हुए मजाकिया लहजे में कहा कि जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली का उनका दौरा ''बहुत खास'' है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति सुनक की शादी अक्षता मूर्ति से हुई है। नई दिल्ली की अपनी उड़ान में पत्रकारों से बातचीत में सुनक (43) ने कहा कि वह भारत आने को लेकर उत्साहित हैं ''एक ऐसा देश जो मेरे लिए बहुत करीब और प्रिय है।''

इस यात्रा में सुनक के साथ उनकी पत्नी और इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी भी शामिल हैं। सुनक का शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता का कार्यक्रम है।सुनक ने तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना होने से पहले 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''मैं स्पष्ट फोकस के साथ जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहा हूं। वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करना है। अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाना है। सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करना है।'' सुनक ने अपने साथ यात्रा कर रहे संवाददाताओं से कहा, ''यह बहुत खास है। मैंने कहीं देखा कि मुझे भारत के दामाद के रूप में संदर्भित किया गया था, मुझे उम्मीद है कि यह प्यार से कहा गया होगा।''

शिखर वार्ता के दौरान ब्रिटेन के एजेंडे में रूस-यूक्रेन संघर्ष को एक प्रमुख विषय के रूप में चिह्नित किया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय 'डाउनिंग स्ट्रीट' ने कहा कि भारत की भूमिका और प्रभाव ''महत्वपूर्ण'' है। सुनक ने संवाददाताओं से कहा, ''एक बार फिर, व्लादिमीर पुतिन जी20 में अपना चेहरा दिखाने में विफल हो रहे हैं। वह अपने खुद के राजनयिक निर्वासन के वास्तुकार हैं, अपने राष्ट्रपति महल में अलग-थलग रहे हैं और आलोचना और हकीकत को रोक रहे हैं। इस बीच, जी20 के बाकी सदस्य यह प्रदर्शित कर रहे हैं हम आगे आएंगे और पुतिन की हार के लिए मिलकर काम करेंगे।''

'डाउनिंग स्ट्रीट' के प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन को लेकर अपना समर्थन दिखाने के लिए ''हर अवसर'' का उपयोग करेगा और साथ ही वैश्विक समर्थन को भी बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा, ''मानवाधिकारों और वास्तव में लोकतंत्र पर रूस के हमले को रोकने में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। हम पुतिन के क्रूर आक्रमण को समाप्त करने के लिए उस प्रभाव का उपयोग करने को लेकर उन्हें प्रोत्साहित करने के वास्ते मोदी या अन्य नेताओं के साथ बैठकें करेंगे।'' मोदी-सुनक द्विपक्षीय चर्चा के दौरान भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता पर भी चर्चा होने की संभावना है। अभी 12 दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है लेकिन इसके निष्कर्ष के लिए कोई निर्धारित समय सीमा नहीं है। 'डाउनिंग स्ट्रीट' ने संकेत दिया है कि समझौते के तहत ब्रिटेन की आव्रजन नीति में कोई बदलाव नहीं होगा, हालांकि व्यापार वार्ता के हिस्से के रूप में अल्पकालिक व्यापार वीजा पर चर्चा की जाएगी। मोदी और सुनक की आखिरी मुलाकात मई में जापान के हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई थी। एक महीने बाद, लंदन में ब्रिटेन-भारत सप्ताह के दौरान, सुनक ने कहा था कि वह अपने भारतीय समकक्ष से दोबारा मिलने के लिए ''इंतजार नहीं कर सकते।''

यूक्रेन पर सरकार के रुख से विपक्ष सहमत : राहुल गांधी

ब्रसेल्स/भाषा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत का विपक्ष रूस-यूक्रेन संघर्ष पर केंद्र सरकार के मौजूदा रुख से कुल मिलाकर सहमत है और एक बड़ा देश होने के कारण यह भारत के लिए स्वाभाविक है कि वह दुनिया भर के देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध रखे। ब्रसेल्स के प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन के दौरान उनसे एक यूक्रेनी समाचार एजेंसी के संवाददाता ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर मोदी सरकार द्वारा अपनाए गए सधे हुए रुख के बारे में सवाल किया।

राहुल गांधी ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि विपक्ष इस संघर्ष पर भारत सरकार के वर्तमान रुख से कुल मिलाकर सहमत होगा।

उन्होंने कहा, ''रूस के साथ हमारा रिश्ता है और मुझे नहीं लगता कि सरकार वर्तमान में जो रुख अपना रही है, उससे विपक्ष का कोई अलग दृष्टिकोण होगा।''

भारत ने बार-बार रूस और यूक्रेन से कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने तथा युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई मौकों पर रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात की है और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने तथा संघर्ष के समाधान के लिए कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आग्रह किया है।

भारत-रूस संबंधों और पश्चिमी नेताओं के भारत को रूस से दूर करने के प्रयासों के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने दोहराया कि भारत के लिए विभिन्न देशों के साथ विविध प्रकार के संबंध रखना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर भारत का रूस के साथ एक रिश्ता है, भारत का अमेरिका के साथ रिश्ता है। भारत एक बड़ा देश है और एक बड़ा देश होने के नाते इसके कई अन्य देशों के साथ संबंध होंगे। यह एक सामान्य बात है...भारत जिसके साथ चाहे, उसे संबंध रखने का पूरा अधिकार है।'' गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका, यूरोप और भारत को चीनी विनिर्माण मॉडल के विकल्प के तौर पर प्रतिस्पर्धी मॉडल बनाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ''चीन इस दुनिया के लिए विशेष विचार या विशेष दृष्टिकोण पेश कर रहा है। वह (चीन) बेल्ट एंड रोड (बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव) का विचार रख रहा है। वे ऐसा कर पा रहे हैं, उसका एक कारण यह है कि चीन वैश्विक उत्पादन का केंद्र बन गया है।''

स्वागत

नई दिल्ली में शुक्रवार को इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से पहले हवाई अड्डे पर पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और कलाकारों के साथ।

आशा भोसले 90 साल की हुईं, कहा-पीछे मुड़कर देखती हूं तो सबकुछ मजेदार लगता है

मुंबई/भाषा

मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले शुक्रवार को 90 साल की हो गईं। उन्होंने जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह आज जब पीछे मुड़कर देखती हैं, तो उन्हें सबकुछ मजेदार लगता है।सदाबहार गायिका शुक्रवार को अपने जन्मदिन के खास मौके पर दुबई में एक 'लाइव कॉन्सर्ट' में शामिल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा बहने वाली नदी की तरह संगीत कभी खत्म नहीं होता। आठ दशक लंबे अपने गायन सफर की चर्चा करते हुए आशा भोसले ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, '90 साल की उम्र में, मुझे गाने के लिए तीन घंटे मंच पर खड़ा होना है, मुझे खुशी है कि मैं इस उम्र में भी ऐसा कर सकती हूं।'

उन्होंने 1943 में मराठी फिल्म 'माझा बल' के लिए अपना पहला फिल्मी गीत 'चल चल नव बाला' गाया था। करीब 80 साल के अनुभव और करीब 12,000 गीतों के बाद, आशा फिर से कार्यक्रम पेश करने के लिए तैयार हैं।उन्होंने कहा, ''संगीत सांस लेने जैसा है। और, यह हमेशा आसान नहीं रहा।'' मीना कुमारी से लेकर काजोल सहित कई अभिनेत्रियों के लिए पार्श्व गायन कर चुकीं आशा भोसले ने हर 'मूड' के गाने गाए हैं।

उन्होंने कहा, हमारी सांसें नहीं होती हैं तो आदमी मर जाता है। मेरे लिए संगीत मेरी सांस है। मैंने इसी सोच के साथ अपना जीवन जिया है। मैंने संगीत को बहुत कुछ दिया है। मुझे काफी अच्छा लगता है कि मैं मुश्किल समय से उबर गई हूं। कई बार मुझे लगा कि मैं नहीं टिक सकूंगी, लेकिन मैं टिकी रही।''

आशा भोसले ने कहा, ''संगीत कभी खत्म नहीं होता। ये दरिया है। अगर कोई कहता है, 'मैं पूर्ण हूं', तो ऐसा कहना गलत है, क्योंकि कोई भी पूर्ण नहीं होता है। आपको हमेशा समय के साथ बदलना होता है।''

उन्होंने कहा, मैंने मुख्य

कलाकार के साथ ही नृत्य करने वालों के लिए भी गाने गाए हैं...। काश मैंने विभिन्न भाषाओं में और गाने गाए होते। काश मैं और अधिक शास्त्रीय गायन कर पाती।''

आयकर विभाग का नाम सुनते ही हमारा 'हवा पानी सब बंद हो जाता है'

नई दिल्ली/एजेन्सी । 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 की मेजबानी कर रहे बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि आयकर विभाग अपना काम सामान्य और नियमित रूप से करता है, लेकिन यह हम लोगों के लिए डरावना होता है। शो के 19वें एपिसोड में मध्य प्रदेश के भोपाल की आकांक्षा सिंह ने फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट जीतकर हॉट सीट हासिल की। उन्होंने अभिनेता की सराहना करते हुए कहा, आपकी ऊर्जा और आभा अनुकरणीय है।

उन्हें जवाब देते हुए, बिग बी ने कहा, आप क्या करती हैं? जिस पर उन्होंने कहा, सर, मैं वर्तमान में मध्य प्रदेश के वाणिज्यिक कर विभाग में सहायक आयुक्त हूं।'' अभिनेता ने कहा, यह बेहद ही डरावना है। क्या आप अपनी पूरी ताकत से काम करते हैं? मैं भी यहां वही करता हूं। जब आप सम्मन लिखते हैं और ऐसे व्यक्ति का पता लगाने का निर्देश देते हैं जिसने कर का भुगतान नहीं किया है।

ब्रिटेन: जेल से भागे संदिग्ध आतंकी की तलाश में पुलिस ने छान मारा पूरा लंदन पार्क

लंदन/एपी

ब्रिटेन की पुलिस आतंकवाद के आरोपों में मुकदमे की सुनवाई की प्रतीक्षा करते समय जेल से भागे एक पूर्व सैनिक की तलाश में शुक्रवार को पूरा लंदन पार्क छान मारा। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पुष्टि की डेनियल आबिद खलीफे को पकड़ने के लिए लंदन के दक्षिण-पश्चिम के रिचमंड पार्क में छानबीन किए जाने की पुष्टि की। तलाशी के दौरान दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया और जमीन पर अधिकारी भी मुस्तैद रहे।

इंटरव्यू के दौरान भावुक हुए सनी देओल, फूट-फूटकर रोने लगे

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल इस समय 'गदर 2' की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। उन्हें इस फिल्म के लिए दर्शकों से अपार प्यार और सराहना मिल रही है। ऐसे में हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सनी देओल भावुक हो गए। दरअसल सनी जैसे ही शो में पहुंचे, वैसे ही लोगों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया ऐसे में वो अपने आंसू को रोक नहीं पाए। सनी देओल ने कही यह बात सनी ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें शो के होस्ट ने उनसे पूछा कि उनके आंखों में आंसू हैं, यह सुनकर सनी और ज्यादा इमोशनल हो जाते हैं। इसके बाद सनी कहा हैं, 'जिस तरह से ये लोग खुश हो रहे हैं जो मैंने किया है, तो यकीन नहीं हो रहा मैं इसके लायक हूं या नहीं, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इसके लायक हूं।'

आप बहुत सेंसिटिव हैं क्योंकि आप बहुत अच्छे इंसान हैं अब सनी देओल की इस वीडियो को देखने के बाद फैंस से लेकर सेलेब्स तक सनी की खूब तारीफ कर रहे हैं। अमीषा ने लिखा, 'हमारी इंडस्ट्री के सबसे विनम्र सुपरस्टार और पूरा देश उन्हें प्यार करता है।' बॉबी ने अपनी भाई के लिए लिखा, 'लव यू भैया।' वहीं बोनी कपूर ने लिखा, 'दुनिया मानेगी कि आप बहुत सेंसिटिव हैं क्योंकि आप बहुत अच्छे इंसान हैं।'

'गदर 2' की कहानी तारा सिंह के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने बेटे उत्कर्ष शर्मा को सीमा पार करने में मदद करता है, क्योंकि उसे पाकिस्तान में बंदी बना लिया गया जाता है। 'गदर 2' ने रिलीज के कुछ ही दिनों में 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 'गदर 2' उस हिट फिल्म का सीक्वल है, जो 2001 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल के साथ अमरीश पुरी, ओम पुरी और लिलेट दुबे भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म ने उस समय 250 करोड़ की कमाई की थी।

नृत्य सीखने के लिए माधुरी दीक्षित से ली प्रेरणा : शुभांगी

नई दिल्ली/एजेन्सी

भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने कहा कि नृत्य सीखने के लिए प्रेरित करने में माधुरी दीक्षित ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। शुभांगी एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं। उन्होंने कहा कि नृत्य करना उनके लिए अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय है। 'भाबीजी घर पर हैं' की शुभांगी उर्फ ङ्कअंगूरी भाभी भी सिटकॉम में कोरियोग्राफर की भूमिका निभाती हैं। यह वास्तव में प्रभावशाली है कि उनकी कोरियोग्राफिक प्रतिभा शो में उनकी कॉमेडी टाइमिंग जितनी ही सटीक है। अभिनेत्री बताती हैं कि अपनी नृत्य दिनचर्या बनाने से उन्हें आराम मिलता है और उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति चमकती है, जो एक कलाकार के रूप में उनकी भावनाओं को व्यक्त करने का एक स्वतंत्र तरीका है। अपने कोरियोग्राफी कौशल के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, नृत्य से मुझे बहुत खुशी मिलती है और संतुष्टि की गहरी भावना आती है। जब भी मुझे प्रदर्शन करने का मौका मिलता है, मैं पूरे दिल से इसमें डूब जाती हूं। शुक्र है कि 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी के रूप में मेरी भूमिका लगातार बनी रही। मुझे विभिन्न ट्रैकों के साथ अपने नृत्य कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

मैं सेट पर अपनी दिनचर्या को कोरियोग्राफ करती हूं। उन्होंने कहा, मैं इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं और 30 से 45 मिनट में सही लय हासिल कर लेती हूं। नृत्य करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय है।

एक प्रशिक्षित शास्त्रीय कथक नर्तक के रूप में, मैंने हर एपिसोड के लिए नृत्य अनुक्रम तैयार किया है। चाहे वह शास्त्रीय, बॉलीवुड की दिनचर्या, या गरबा या लावनी जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदर्शन हो, मैंने शो में नृत्य शैलियों की विस्तृत श्रृंखला को अपनाया है।''

42 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, हालिया कहानी में, अंगूरी एक गैंगस्टर की प्रेमिका 'चमेली जान' में बदल गई और एक क्लब डांसर के रूप में प्रदर्शन किया। मुझे इस कहानी के लिए विभिन्न बॉलीवुड आइटम गानों को कोरियोग्राफ करने का काम सौंपा गया था और उस दृश्य की शूटिंग में बहुत मजा आया। इसके अलावा, अतीत में मैंने अपने प्रदर्शन में शास्त्रीय कथक तत्वों को शामिल किया।'' शुभांगी ने कहा कि उनके डांस नंबरों को उनके प्रशंसकों से लगातार शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, स्टेप्स और एक्सप्रेशन में महारत हासिल करने के लिए, मैं गाने को बार-बार सुनने और फाइनल टेक से पहले छह से सात बार अभ्यास करने में समय लगाती हूं। मैंने आसिफ जी (विभूति नारायण मिश्रा) और रोहिताश्व जी (मनमोहन तिवारी) के लिए डांस सीक्वेंस कोरियोग्राफ किए हैं। किसी गैर-नर्तक को डांस सिखाने से ज्यादा मनोरंजक और चुनौतीपूर्ण कुछ भी नहीं है।''

अभिनेत्री ने कहा, महान माधुरी दीक्षित जी ने मुझे नृत्य सीखने के लिए प्रेरित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। मुझे यकीन है कि मेरी तरह, अनगिनत लड़कियों को उनके प्रदर्शन को देखने के बाद नृत्य से प्यार हो गया है। मैं एक उत्साही प्रशंसक रही हूं। मैंने उनकी फिल्में कई बार देखीं।

जब वह नृत्य करती थीं तो कोई भी उनकी ऊर्जा और अभिव्यक्ति की बराबरी नहीं कर सकता था।'' उन्होंने बताया, अपने स्कूल के दिनों के दौरान मैंने उनके कई गानों पर नृत्य किया। मेरे दोस्तों ने मुझे 'हमारी माधुरी' उपनाम दिया और मैं रोमांचित थी। एक कलाकार के रूप में एक कुशल नर्तक होना महत्वपूर्ण है। आप कभी नहीं जानते कि कौन से अवसर आ सकते हैं। मेरे कई अभिनय प्रोजेक्ट मेरी नृत्य क्षमताओं के कारण उभरे हैं। 'भाबीजी घर पर हैं' एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

कंगना को दो थप्पड़ मारना चाहती है पाकिस्तानी अभिनेत्री नौशीन शाह

मुंबई/एजेन्सी

पाकिस्तानी एक्ट्रेस नौशीन शाह बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत पर भड़क गई हैं। नौशीन ने पाकिस्तान के बारे में गंदी बातें करने के लिए कंगना पर भड़ास निकाली है। एक चैट शो 'हद कर दी विद मोमिन साकिब' में नौशीन से जब पूछा गया कि क्या बॉलीवुड में कोई ऐसा एक्टर है जिससे वह मिलना चाहेंगी।

इस पर उन्होंने कंगना का नाम लिया और कहा कि वह उन्हें दो थप्पड़ मारना चाहती हैं। नौशीन ने कहा कि जिस तरह से कंगना मेरे देश के बारे में बकवास करती रहती हैं, जिस तरह से वह पाकिस्तानी सेना के बारे में गंदी बातें करती हैं, मैं उसकी हिम्मत को सलाम करती हूं। कंगना को कोई ज्ञान नहीं है लेकिन वह देश के बारे में बात करती है, वो भी किसी और के देश के बारे में। वो अपने देश पर, अपने काम और अपने एक्स बॉयफ्रेंड्स पर ध्यान दें तो ज्यादा अच्छा होगा।

कंगना को कैसे पता कि पाकिस्तान में लोगों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है, आप पाकिस्तानी सेना के बारे में कैसे जानती हैं। आप हमारी एजेंसियों के बारे में कैसे जानती हैं? हम खुद नहीं जानते, एजेंसियां हमारे देश में हैं, सेना हमारे देश की है, वो ये बातें हमारे साथ शेयर नहीं करते हैं। सब कुछ सीक्रेट है। हालांकि नौशीन ने कंगना की एक्टिंग की तारीफ की और कहा कि वह अच्छा काम करती है। वो अच्छी एक्ट्रेस है और उसकी एक्टिंग में दम है।

उल्लेखनीय है कि कंगना दमदार एक्टिंग करने के साथ बयानबाजी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। वह कई मुद्दों पर अपनी मन की बात सबके सामने रखती नजर आती हैं। फिलहाल कंगना ने नौशीन को कोई जवाब नहीं दिया है। कंगना जल्द ही फिल्म 'चंद्रमुखी 2' में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा कंगना फिल्म 'इमरजेंसी' में भी दिखाई देंगी जिसमें वह भारत की पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। साथ ही कंगना एक्शन से भरपूर फिल्म 'तेजस' में भी काम कर रही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 09-09-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य जीवन में व्यक्तित्व का विशेष महत्व होता है। सूरत कैसी भी हो, लेकिन सीरत अच्छी होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यही सीरत ही आपके व्यक्तित्व को दर्शाती है। कुछ लोग बहुत सुंदर दिखते हैं, लेकिन उनके बजाय कोई साधारण-सा व्यक्ति हमारे मन में अपनी गहरी छाप छोड़ देता है। बाहरी तौर पर सुंदर दिखने वाले शख्स की तुलना में साधारण व्यक्ति के चेहरे पर छाई मधुर मुस्कान, उसके व्यवहार में शिष्टाचार और बातचीत करने का सलीका हमारे दिलो-दिमाग में एक खास पहचान बना लेता है। उन्होंने आगे कहा कि हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व, अपनी पहचान है।

पीपाजी क्षत्रिय समाज में कृष्ण जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुझल के शक्तिवेल नगर में श्री पीपाजी क्षत्रिय समाज के तत्वावधान में गुरुवार को पीपाजी क्षत्रिय समाज मंदिर के प्रांगण में समाज के युवाओं ने धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी मनाई। मंदिर के प्रांगण में भगवान कृष्ण की झांकी सजाई गई एवं पूरी विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया इस अवसर पर युवाओं ने भजन कीर्तन गाकर शक्तिबेल नगर के वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में सुआलाल चौहान, नथमल चौहान, मानमल सोलंकी, पंडित रामबरण तिवारी, और नरेश मकवाना का अहम योगदान रहा।

यूपी एसोसिएशन में कृष्ण जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां स्थित उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ने कृष्ण जयन्ती का भव्य समारोह आयोजित किया। भगवान कृष्ण के बाल रूप की पूजा अर्चना की गई। उपस्थित जन समुदाय ने बाल गोपाल को झूला झुलाया और सामूहिक आरती की। इस अवसर पर जयन्ती पूजन राजेश मिश्र ने संपन्न करवाया। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन के अध्यक्ष डी पी सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी गायत्री सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में पूजा किया। पंडित अतुल झा ने मांगलिक कार्य कराए। इस अवसर पर बालकृष्ण के प्राकट्य पर सोहर, बधैया सहित भक्ति गीत गाए गए। श्री ईश्वर करुण ने मुरली वादन कर श्री कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति निवेदित की। श्री करुण ने विशेष रूप से संबोधित करते हुए श्रद्धालुओं से अपने घर में एक मुरली, मोरपंख रखने की अपील की और कहा सत्य सनातन धर्म पर आने वाले विवादों से परे होकर इसका संरक्षण और संवर्धन करें। रामायण सी ने सभी आगत श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया। संयोजक एस एन यादव ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष एसएन तिवारी, डीएन सिंह, (पूर्व डीजीएम), सुनील झा, अनिल कुमार झा, रजनीकांत मिश्र, दलसागर शर्मा, राजेश अग्रवाल, विजय शर्मा आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

नंद के आनन्द भयो, जय कन्हैयालाल की....

धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां साईंबाबा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव रात्रि 8 बजे से मनाया गया। भजन कीर्तन के उपरांत रात्रि 12 बजे नंदबाबा ने सभी भक्तों को बधाइयां दी। नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की... तिरुपुर से आये प्रसिद्ध भजन सम्राट नन्दकिशोर पारीक एवं नवीन कुमार शर्मा ने भजनों कि प्रस्तुति दी। साथ में तिरुपुर से आये श्याम प्रेमी अशोक शर्मा, मदन जोशी, अनिल शर्मा, लीलाधर शर्मा, लखन सैन, ओमप्रकाश चौधरी, अरविंद सिंह, शिवभगवान सभी का श्याम मन्दिर कोयम्बटूर के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल, एवं उपाध्यक्ष गोपाल मसकारा एवं मन्दिर के सभी पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त किया। जन्मोत्सव के मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जालोर बाड़मेर साइड सीधी रेल सेवा के लिए ज्ञापन सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई से सीधी जालोर रेल चलाने की मांग को लेकर पीएसी रेलवे बोर्ड सदस्य रविचंद्रन, सेंट्रल चेन्नई भाजपा जिला सचिव पवन कुमार, रामदेव मंडल के अध्यक्ष एस मंगल सिंह राजपुरोहित, राजस्थान राजपूत समाज के कोषाध्यक्ष अभय सिंह दहिया, चौधरी आंजना समाज के ट्रस्टी एव संरक्षक नरिंगा राम चौधरी राजस्थानी प्रवासी युवा मंडल के डार्विन शर्मा ने मिलकर दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर एन सिंह से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और बताया की जालोर बाड़मेर जिले के लाखों की संख्या में यहां प्रवासी है जिनके लिए जालोर बाड़मेर साइड सीधी रेल नहीं होने से प्रवासियों को आवागमन में भारी तकलीफ होती है। कई सालों से मांग लंबित है इसपर कोई सुनवाई नहीं हुई है। चेन्नई से वाया जालोर होकर जोधपुर या बाड़मेर ट्रेन चलाने की मांग रखी। महाप्रबंधक आर एन सिंह के निर्देशानुसार ग्रीष्मकालीन समय में जालोर के लिए 4 फेरे स्पेशल ट्रेन चलाई गई जिसके लिए प्रवासियों ने आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी सत्संग समिति ने मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में साहुकारपेट स्थित माहेश्वरी भवन परिसर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समिति के अध्यक्ष जीवनसिंह मोहता ने महोत्सव के उद्बोधन की घोषणा करते हुए सभी स्वागत किया। मंत्री बंशीलाल दलाल के सौजन्य से सजायी हुई मनमोहक झांकियों ने सभी भक्तों का मन मोह लिया। पंडित कमल व्यास, मोतीलाल थानवी, कुणाल थानवी और टीम के रसीले भजनों न रात्रि 12 बजे तक सभी भक्तो को खूब झुमाया। उपाध्यक्ष वल्लभ कांधारी, कोषाध्यक्ष नारायणदास जे राठी, कमिटी सदस्य अनिल गुरखा, सबिता माहेश्वरी, प्रदीप कुमार माहेश्वरी, गवालदास मोहता, माहेश्वरी सभा के सह सचिव सुरेश भट्टर, युवामण्डल के अध्यक्ष मदन मोहन राठी आदि विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे। रात को 12 बजे ढोल, नगाड़े और शंख की ध्वनि के साथ प्रभु श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव के समय हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की गूंज पूरे सदन में गूंजने लगी। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण हुआ।

गुजराती समाज में हर्षोल्लास से मनी जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहाँ पांच रोड स्थित गुजराती समाज मंडपम में गुरुवार शाम को भगवान श्री कृष्ण की जन्माष्टमी को धूमधाम से मनाया गया। समाज के अध्यक्ष राकेश पटेल ने समारोह में शामिल प्रमुख अतिथि गुजरात मोगरी से पधारे अनूपम मिशन के संत भगवंत साहेबजी समेत सभी सदस्यगण तथा मेहमानों का स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्ष उर्वशी पटेल ने बताया कि बांकेबिहारी की झांकी, झूला और पूजा स्थल की साजसज्जा में महिलाओं का प्रशंसनीय सहयोग रहा। भक्तों ने प्रभु की आरती कर नंद गोपाल के पालने को झुलाया। उसके पश्चात संत साहेबजी के सुरीले भजन गायन पर सभी ने गरबा नृत्य कर मुरारी को प्रसन्न किया। संजय पटेल ने दही हांडी को फोड़ कर प्रभु क्रीड़ा का मंचन किया।

वरिष्ठ सदस्य यग्नेश भाई, अध्यक्ष राकेश पटेल और कोषाध्यक्ष दीपक पटेल ने शाल आदि से प्रमुख अतिथियों का सम्मान किया। किरण पटेल और हेमल पटेल ने विशेष आमंत्रित सुपर फोर्टी सदस्यों का स्वागत अभिवादन किया।

ट्रिप्लीकेन में ज्ञानशाला दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के अंतर्गत देश भर में एकरूपता के साथ आयोजित ज्ञानशाला दिवस जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा चेन्नई के तत्वावधान में दो स्थानों पर मनाया गया। ट्रिप्लीकेन तेरापंथ ट्रस्ट भवन में साध्वीश्री शिवमालाजी के पावन सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। साध्वीश्री ने मंगल उद्बोधन में ज्ञानार्थियों को अनेक प्रकार की प्रेरणा प्रदान करते हुए कंठस्थ ज्ञान के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया। उपाध्यक्ष गौतमचंद बोहरा ने स्वागत वक्तव्य में ज्ञानशाला परिवार को बधाई संप्रेषित करते हुए प्रशिक्षकों के श्रम की प्रशंसा की। क्षेत्रीय सहयोगी सुरेश बोहरा व वरिष्ठ श्रावक सम्पतराज चोरडिया ने ज्ञानशाला परिवार की प्रशंसा करते हुए अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी।

मंचीय प्रस्तुति में ज्ञानार्थियों ने 8 मद पर सुंदर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। ज्ञानार्थियों ने मधुर गीत की प्रस्तुति भी दी। ज्ञानार्थियों के कंठस्थ ज्ञान की जीवंत व शानदार प्रस्तुति को उपस्थित जन समुदाय ने मुक्त कंठ से सराहा। प्रशिक्षिकाओं ने ज्ञानशाला परिवार की ओर से मधुर गीतिका का संगान किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्रीमती कुसुमलता चोरडिया, जयश्री बम्बोली, नम्रता कातरेला व रंजना लोढ़ा ने किया। कार्यक्रम के व्यवस्था पक्ष में ज्ञानशाला के कर्मठ कार्यकर्ता हेमंत मालू, राकेश बैद, ताराचंद बोहरा आदि का पूर्ण सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन ट्रिप्लीकेन ट्रस्ट मंत्री श्री विजयराज गेलड़ा ने किया। कार्यक्रम में श्रावक समाज की गरिमामय उपस्थिति के साथ ट्रिप्लीकेन भवन के मुख्य ट्रस्टी सुरेश संचेती व ज्ञानशाला सह प्रभारी राजेश सांड भी उपस्थित थे। नौ ज्ञानशाला शाखाओं से 120 ज्ञानार्थी व 45 प्रशिक्षक इस कार्यक्रम में सहभागी बने।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शुक्रार शाम को कोयम्बटूर भाजपा प्रमुख उत्तम बालाजी रामस्वामी के नेतृत्व में राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन विरोधी बयान को लेकर प्रदर्शन किया गया। कोयम्बटूर कलेक्टर कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। इस मौके पर हिन्दी भाषी हरी पटेल, राजेश अग्रवाल, हीरासिंह, बाबू सिंह, संजय हितेष आदि ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

तिरुवेरकाडु में कृष्ण जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तिरुवेरकाडु में निर्मित दुर्गा भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। बालकृष्ण की प्रतिमा की पूजा आराधना और भव्य संगीत कार्यक्रम ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्री कृष्ण भक्तों अर्ध रात्रि तक भक्ति भाव में डुबोए रखा। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकार और सामाजिक क्षेत्र में काम करनेवाले ईश्वर करुण ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के मित्र पक्ष प्रकाश डालते हुए संगीमय संबोधन किया। उन्होंने सुंदर मुरलीवादन किया। आयोजक समिति के प्रधान राजेन्द्र ने सभी का स्वागत किया। श्रीकृष्णा ने संचालन किया। विजय शर्मा और राजेश ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। सभी के लिए भंडारा की व्यवस्था की गई।

तिरुपुर में कृष्ण जन्माष्टमी

तिरुपुर। यहां तिरुपूर सेवा समिति के मंदिर प्रांगण में बुधवार को कृष्ण जन्माष्टमी की पूजा समिति के पंडित हरिशंकरजी के द्वारा की गयी। कार्यक्रम में भजन गायक नवीन कुमार शर्मा और नंदकिशोर पारीक ने भजनों की प्रस्तुति दी। कृष्ण जन्माष्टमी में समिति के उपाध्यक्ष देवराज सिंह एवं शहर के अनेक गणमान्य उपस्थित थे। रात्रि 12 बजे तक चले इस कार्यक्रम में सभी ने आपस में बधाईयां बांटी। नंद के घर आनन्द भयो जय कन्हैयालाल की मंगलगीत में सभी झूम के नाचे।

'आदर्श समाज की परिकल्पना' पर एक चिंतन गोष्ठी तेरापंथ भवन में आयोजित हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां भारतीय जैन संगठना (बीजेएस) के तत्वावधान में 'आदर्श समाज की परिकल्पना' पर एक चिंतन गोष्ठी तेरापंथ भवन में की गई। इसमें बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य उपस्थित थे।

सभा का शुभारंभ बीजेएस महिला विंग द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। कोयम्बटूर चैप्टर के अध्यक्ष धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल ने पधारे हुए सभी का स्वागत किया। राज्याध्यक्ष रमेश पटावरी ने कहा कि सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के लिए समाज की सहभागिता अत्यंत जरूरी है। एक व्यक्ति या एक दो संस्थाओं से जैन समाज की चुनौतियों को समाधान नहीं कर सकती। समस्त जैन समाज को इससे जुड़ना होगा। बीजेएस अपने कार्यक्रमों के माध्यम से प्लेटफॉर्म बना कर दे सकती है,सहयोग कर सकती है समाज को जागना होगा जिम्मेदारी लेनी होगी।

बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लुंकड ने वर्तमान में जैन समाज एवं परिवारों में आने वाली चुनौतियों एवं उनके उचित समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण जैन समाज मिलकर यह चिंतन करें कि समाज के समक्ष क्या क्या चुनोतियाँ है और उसके निराकरण के लिए समाज की जिन संस्थाओं के पास समाधान हो उसको समाज अपनी जिम्मेदारी लेकर लागू करे।व्यक्ति या बैनर बड़ा बनने से समाज का भला नही हो सकता जरूरत है समाज को सशक्त और सक्षम बनाने की जिससे आने वाले समय में कोयम्बटूर एक आदर्श समाज बन सके।

कार्यक्रम में चेप्टर अध्यक्ष धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल ने 1 अक्टूबर को कोयम्बटूर में होने वाले युवक युवती परिचय सम्मेलन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम नये प्रारूप में आयोजित होगा। जिसमें किसी भी उम्मीद्वार को मंच पर आकर अपना परिचय देने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि युवक युवती के लिए दिनभर चलने वाली एक्टिविटी के माध्यम से एक दूसरे को समझने, परखने, अपनी कम्पेटिबिलिटी चेक करने का अवसर मिलेगा। सभा में वरिष्ठ श्रावक इंद्रचंद कोठारी , स्थानकवासी संघ के पूर्व अध्यक्ष घीसुलाल हिंगड़ जीतो कोयंबत्तूर के अध्यक्ष राकेश मेहता एवं सचिव राजेश बोहरा जैन, महासंघ के अध्यक्ष भंवरलाल कोठारी, तेरापंथी सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम सुराणा, पतंजलि योग समिति मीडिया इकाई के प्रदेश अध्यक्ष किशोर जैन एवं शहर के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। सबने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रममें कोयम्बटूर के विभिन जैन महिला मंडल के सदस्य मौजूद थे। सभा का संचालन कोयंबटूर चैप्टर के सचिव राकेश गोलेछा ने किया।

मदुरै अंचल में बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां बैंक ऑप इंडिया ने अपनी स्थापना के 118वीं जयंती के मौके पर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रचार संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। यहां दिव्यांगजनों के आश्रम तिउमै विलिहल न्यास में आंचलिक प्रबंधक जी उन्निकृष्णन एवं स्टाफ सदस्यों ने यहाँ का दौरा किया एवं सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बनाने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। अपोलो अस्पताल के सहयोग से स्टाफ एवं आम जनता के लिए निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।

आयोजनों का भव्य समापन 7 सितंबर को हुआ, जो कि बैंक का 118वां स्थापना दिवस है। इस अवसर पर आंचलिक कार्यालय में दीप प्रज्वलन एवं बैंक के सेवानिवृत्त कार्मिकों का अभिनन्दन किया गया। आंचलिक प्रबंधक जी. उन्निकृष्णन ने बैंक के उत्पादों के विज्ञापन संबंधी प्रचार वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया।

आंचलिक कार्यालय के स्टाफ सदस्यों ने कन्ननेत्ताल सरकारी प्राथमिक विद्यालय के छात्रों में चॉकलेट बांटी एवं विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.